रायपुर

सोमवार 02 नवंबर 2026

वर्ष-07, अंक-305

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website:



सारंग टीम का प्रदर्शन अनुशासन, आपसी विश्वास, टीम भावना और उत्कृष्टता का अनुपम उदाहरणः मुख्यमंत्री साय

रायपुर : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने देखा सारंग टीम का रोमांचकारी हवाई करतबः नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर





य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर आज नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के जाँबाजों ने अपने साहसिक करतबों, सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा, हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन और %वंदे मातरम्% की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय वायु सेना के जाँबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। हमारे वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, वह प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इसी प्रकार निरंतर विकास, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। राज्य स्थापना दिवस की खुशियों के बीच भारतीय वायु सेना के जाँबाजों का यह अद्भुत प्रदर्शन प्रदेशवासियों के उत्साह और गौरव को और अधिक बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंग का अर्थ मोर होता है। जिस प्रकार मोर हमारे देश की विशिष्ट पहचान और सुंदरता का प्रतीक है, उसी प्रकार सारंग टीम भारतीय वायु सेना की गरिमा, उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर हम एक ऐसे गौरवशाली उत्सव के साक्षी बन रहे हैं, जहाँ राज्य स्थापना की खुशियों के साथ भारतीय वायु सेना का शौर्य, अनुशासन और अदम्य साहस भी जुड़ गया है। नवा रायपुर का आसमान हमारे वायु वीरों के अद्भुत हुनर, साहस और आपसी तालमेल का गवाह बन रहा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हवाई प्रदर्शन के दौरान हेलीकॉप्टरों की विभिन्न फॉर्मेशन और साहसिक करतब हमें भले ही सहज और सुंदर दिखाई देते हों, लेकिन इनके पीछे विस्तृत योजना, निरंतर अभ्यास, गहरी एकाग्रता और असाधारण समन्वय होता है। प्रत्येक पायलट को अपनी भूमिका के साथ-साथ अपने साथियों की गतिविधियों का भी पूरा ध्यान रखना पड़ता है। अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक-दूसरे पर अटूट विश्वास और सटीक तालमेल ही ऐसी अद्भुत प्रस्तुतियों को संभव बनाता है। उन्होंने कहा कि सारंग टीम का प्रदर्शन हमें यह महत्वपूर्ण संदेश देता है कि अनुशासन, समर्पण, सामूहिक प्रयास और आपसी विश्वास से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है।

आकाशगंगा के जाँबाजों ने आसमान से उतरकर दिखाया अद्भुत साहस और सटीक नियंत्रण

हवाई प्रदर्शन का रोमांचकारी शुभारंभ भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने किया। खुले आसमान से छलांग लगाते हुए टीम के जाँबाजों ने अपने पैराशूटों को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर अदम्य साहस, संतुलन और सटीकता का अद्भुत परिचय दिया।

ऊंचे आसमान से उतरते हुए स्काईडाइवर्स ने निर्धारित दिशा और गति के अनुरूप अपने पैराशूटों को नियंत्रित किया तथा सेंध लेक के सामने निर्धारित स्थान पर सटीक लैंडिंग की। आसमान से धरती की ओर उतरतऔर उत्सुकता से भरा रहा।

न्यूज इन शॉर्ट

गाजीपुर की श्रीनी श्रीवास्तव ने चलाई देश की दूसरी स्लीपर वंदे भारत ट्रेन



गाजीपुर। वाराणसी से शनिवार को देश की दूसरी स्लीपर वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हुई। रेल मंत्री ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन के 13 सदस्यीय क्रू में गाजीपुर की रहने वाली सहायक लोको पायलट श्रीनी श्रीवास्तव भी शामिल थीं। उन्होंने हरिशंकर के साथ लोको पायलट केबिन में ट्रेन संचालन की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले भी वह वाराणसी से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन चला चुकी हैं।

शनिवार दोपहर करीब 12 बजे स्लीपर वंदे भारत ट्रेन वाराणसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर पहुंची। इस दौरान जानकारी सामने आई कि ट्रेन चलाने वाली दो सदस्यीय टीम में हरिशंकर के साथ सहायक लोको पायलट श्रीनी श्रीवास्तव भी शामिल थीं। श्रीनी ने स्लीपर वंदे भारत में असिस्टेंट लोको पायलट की भूमिका निभाने को अपने लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

कर्नाटक में आज से 8 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ नंदिनी दूध



बेंगलुरु। कर्नाटक में रविवार से नंदिनी दूध की कीमतों में 8 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी लागू हो गई है। इसके साथ ही दही की कीमत भी 54 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 68 रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई है। कीमतों में इस वृद्धि के बाद उपभोक्ताओं में नाराजगी देखी गई, जबकि बेंगलुरु मिल्क यूनियन लिमिटेड (बीएएमयूएल) और राज्य सरकार ने इस फैसले को डेयरी किसानों के हित में जरूरी कदम बताया है। बीएएमयूएल के अध्यक्ष डीके सुरेश ने मूल्य वृद्धि का बचाव करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों की आजीविका को मजबूत करना और डेयरी क्षेत्र को टिकाऊ बनाए रखना है।

उन्होंने कहा कि यदि किसान बचेंगे तो हम सभी बचेंगे। नंदिनी दूध आपके लिए महंगा जरूर होगा, लेकिन किसानों के लिए यह अच्छी खबर है। मैं कीमत बढ़ाने के लिए क्षमा चाहता हूं, लेकिन किसानों का जीवित रहना भी जरूरी है।

राहुल गांधी पर बरसे अमित शाह

मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं मिला



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अमित शाह ने राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं मिला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महारैली के आयोजन पर भी सवाल उठाए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस काले दिन पर रैली करके राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं मिला। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनना है तो पूरी जिंदगी प्रतीकात्मक संसद में ही बैठे रहिए, आपका नंबर कभी नहीं आएगा। अमित शाह ने ये बातें चंडीगढ़ में कहीं। आज यानी 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की महारैली हो रही है। इसी को लेकर अमित शाह ने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि इस काले दिन पर रैली करके उनकी मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं मिला। चंडीगढ़ में 1 नवंबर को राज्य के 60वें स्थापना दिवस और चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों में अमित शाह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की स्थापना 1966 में हुई थी। इसी साल हरियाणा का गठन हुआ था और चंडीगढ़ पुलिस की शुरुआत भी हुई थी। इस मौके पर पुलिस फोर्स को राष्ट्रपति पुलिस कलर भी दिया गया।

अशुतोष दीक्षित ने संभाला वायुसेना के 29वें प्रमुख एयर चीफ मार्शल का चार्ज, 'VAYU' होगा अहम मंत्र

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का भरोसा जताने के लिए आभार जताया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

एयर चीफ मार्शल अशुतोष दीक्षित ने 29वें भारतीय वायुसेना प्रमुख के रूप में पदभार संभाला है। उन्होंने देश की सुरक्षा और वायुसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए प्राथमिकताओं को बताया।

एयर चीफ मार्शल अशुतोष दीक्षित ने भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कमान संभाल ली है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश की सुरक्षा, वायुसेना की युद्धक क्षमता और आत्मनिर्भरता को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। एयर चीफ मार्शल अशुतोष दीक्षित ने नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान ने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का भरोसा जताने के लिए आभार जताया।



उन्होंने पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने सटीक और निर्णायक एयर पावर का प्रदर्शन किया।

राहुल गांधी बोले- ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



इंडिया ब्लॉक ने रविवार को दिल्ली में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और स्ट्रक के विरोध में पहले मार्च और फिर रैली की। चार घंटे चले विरोध प्रदर्शन में 20 विपक्षी पार्टियां शामिल हुईं।रामलीला मैदान में लेफ्ट नेता एमए बेबी, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, फारुक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आखिर में राहुल गांधी ने स्पीच दी।राहुल ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करवाई है, उन्हें जेल जाना होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे पाताल में भी चले जाएं, उन्हें खोजकर लाएंगे। उन्हें छोड़ेंगे नहीं।अखिलेश यादव ने यूपी का जिक्र कर कहा कि जो लोग कभी यूपी से आए थे, वो यूपी से ही जाएंगे। यूपी वाले स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई भी अच्छी करते हैं। 2027 में विदाई तय है।पिछले 25 दिनों में विपक्ष इस मुद्दे पर सातवीं बार एकजुट हुआ था। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन कर चुके हैं।राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है।उन्होंने कहा, न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे।

इंडिया गठबंधन की रैली पर बरसे जेपी नड्डा

झूठ, अफवाह और अराजकता राहुल का मॉडल



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह राहुल की राजनीति चमकाने और देश को बदनाम करने की कोशिश है। नड्डा ने 1 नवंबर को रैली करने पर सवाल उठाए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर कांग्रेस और पार्टी के सांसद राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल अपनी राजनीति चमका रहे हैं। वो देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल का मॉडल झूठा है। नड्डा ने साफ कहा कि भारत में रिजीम चेंज का एजेंडा नहीं चलेगा। बीजेपी नेता ने विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि विपक्ष का मकसद दिल्ली को पंगु बनाना है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की रैली से व्यापारियों को 10 हजार करोड़ का नुकसान होगा। उन्होंने विपक्ष पर लोकतंत्र के झंडे का इस्तेमाल अशांति फैलाने, अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने और चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया।

विपक्ष का मकसद चुनी हुई सरकार को हटाना'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष का मकसद विदेशी ताकतों के इशारों पर चुनी हुई सरकार को हटाना है। उन्होंने कहा कि भारत में रिजिम चेंज का एजेंडा नहीं चलेगा। उन्होंने कहा '1 नवंबर को राहुल गांधी द्वारा रचे गए इस नाटक के चार मकसद हैं। पहला, हमारे सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना। दूसरा दिल्ली में दंगे और अफरा-तफरी फैलाकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराना। तीसरा त्योहारों के मौसम में दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों की कमाई छीनना और चौथा देश को बदनाम करना।

'देश को अराजकता में धकेलने की साजिश'

नड्डा ने कहा कि आज रामलीला मैदान में जो कुछ हो रहा है, वह लोकतंत्र के प्रति सम्मान नहीं है बल्कि, यह लोकतंत्र के नाम पर देश को अराजकता में धकेलने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों द्वारा रचा गया एक मूर्खतापूर्ण नाटक है, जिन्हें जनता ने बार-बार हराया और नकारा है और जनता इस बात को बहुत अच्छी तरह समझती है। मंत्री ने कहा 'राहुल गांधी, मैं आज देश को बताना चाहता हूं कि आपकी राजनीति का मॉडल क्या है।

न्यूज इन शॉर्ट

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट के लिए भारत की पहली बुलेट ट्रेन में हाई-स्पीड परफॉरमेंस, स्वदेशी इंजीनियरिंग और यात्रियों के लिए विश्व स्तरीय आराम का बेहतरीन संगम है।
भारत, अपनी खुद की बुलेट ट्रेन के साथ स्वदेशी हाई-स्पीड रेल तकनीक की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इसे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कर्नाटक के बेंगलुरु में स्थित क्ष्श्वरूकी फैसिलिटी में तैयार किया जा रहा है।
एडवांस्ड इंजीनियरिंग और स्वदेशी विशेषज्ञता को मिलाकर, इस ट्रेन को भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है, जिसमें यात्रियों के आराम और सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है।
ट्रेन की एक झलक280 किमी/घंटा की अधिकतम टेस्ट स्पीड और 249 किमी/घंटा की ऑपरेशनल स्पीडट्रेन की कुल लंबाई लगभग 202 मीटर
इसमें 4 मोटर कार और 4 ट्रेलर कार, यानी कुल 8 कारें (कोच) हैंलगभग 557 यात्रियों के बैठने की क्षमता, जिसमें दिव्यांगजनों या कम गतिशीलता वाले व्यक्तियों (पीआरएम) के लिए 2 सीटें शामिल हैं
ट्रेन में 3म2 सीटिंग वाली सात स्टैंडर्ड-क्लास कारें और 2म2 सीटिंग वाली एक एग्जीक्यूटिव-क्लास कार हैदोनों तरफ ड्राइवर कैब हैं, जिन्हें इंटेलिजेंट ऑन-बोर्ड कंट्रोल सिस्टम से लैस किया गया है, ताकि तुरंत फैसले लेने और ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में मदद मिल सके।
भविष्य की जरूरतों के लिए, 8-8 कारों वाली दो ट्रेनों को जोड़कर 16 कारों की ट्रेन बनाई जा सकती है।
यात्रियों के आराम को ध्यान में रखकर डिज़ाइन
ट्रेन के इंटीरियर को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह भारतीय यात्रियों की शारीरिक बनावट और जरूरतों के हिसाब से पूरी तरह आरामदायक हो।
पर्याप्त लेगरूम (पैर रखने की जगह) के साथ आरामदायक सीटें दिव्यांगजनों या कम गतिशीलता वाले व्यक्तियों के लिए अनुकूल सीटें और लेवल बोर्डिंग इंटीरियर में स्पष्ट लाइटिंग सामान रखने के लिए ओवरहेड रैक बड़े आकार के सामान के लिए फर्श पर लगे लगेज स्टैंड लैपटॉप और मोबाइल डिवाइस चार्ज करने के लिए पावर आउटलेट आधुनिक बायो-डाइजेस्टर टॉयलेट, जिनसे बहुत कम कचरा निकलता है हर सीट के पास बड़ी खिड़कियां सीलबंद, सिंगल-पीस गैंगवे, जिससे यात्री एक कोच से दूसरे कोच में आसानी से आ-जा सकते हैं यात्रियों से जुड़ाव पूरी यात्रा के दौरान यात्रियों को हर तरह की जानकारी देने के लिए एक बेहतरीन पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम (यात्री सूचना प्रणाली) लगाया गया है। केबिन के अंदर लगे एलसीडी डिस्प्ले अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी प्रदान करते हैं। पब्लिक एड्रेस और ऑटोमैटिक अनाउंसमेंट सिस्टम के जरिए ऑडियो गाइडेंस की सुविधा।

2 नवंबर को खेलभांठा मैदान में शाम 4 बजे से होगा जिला स्तरीय समारोह का आयोजन

रायपुर, छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 2 नवंबर को जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया जाएगा। सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में आयोजित इस समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी। शाम 4 बजे से प्रारंभ होने वाले कार्यक्रम में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समारोह में लोकसभा क्षेत्र रायगढ़ के सांसद श्री राधेश्याम राठिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता अपेक्षित है। राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराओं, लोककला और सांस्कृतिक विविधता को प्रस्तुत किया जाएगा। यह आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और राज्य स्थापना दिवस के गौरव को साझा करने का अवसर होगा।

शक्तिपीठ सारंगढ़ में बैठक संपन्न, तैयारियां तेज!

सारंगढ़ में होने जा रहा है भव्य 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ!

4 से 7 दिसंबर तक होगा आयोजन, डॉ. चिन्मय पंड्या जी का होगा विशेष प्रवचन!

गायत्री परिवार ने की सभी से आने की अपील।





एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़ बिलाईगढ़

गायत्री शक्तिपीठ सारंगढ़ में आज 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस महायज्ञ का आयोजन 4 दिसंबर से 7 दिसंबर तक सारंगढ़ में किया जाएगा, जिसकी तैयारियां अब युद्ध स्तर पर शुरू हो गई हैं। बैठक में पूर्व में हुए कार्यों की समीक्षा की गई और अनुदान एकत्र करने को लेकर चर्चा की गई।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्थानीय स्तर पर युद्ध-स्तर पर लोगों से संपर्क कर आमंत्रण दिया जाएगा और अगले शनिवार तक कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।स्थानीय सारंगढ़ की टोली में स्थायी रूप से महेंद्र अग्रवाल जी,श्रीवल जी, रतन गोपाल जी, सुरेश साहू जी, श्री गौतम पटेल जी, मिलन सिंह चौहान सहित अन्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।आपको बता दें कि यह 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ 4 दिसंबर शुक्रवार से 7 दिसंबर सोमवार तक पान-पानी-पालागी की नगरी सारंगढ़ में होगा। 4 तारीख को कलश यात्रा निकलेगी और 5 तारीख को शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे श्रद्धेय डॉ. चिन्मय पंड्या जी का विशेष उद्बोधन होगा। इस दौरान निःशुल्क संस्कार, भव्य प्रदर्शनी और दीप महायज्ञ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
वहीं कार्यक्रम मे वित्त मंत्री ओपी चौधरी, उच्च शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा सहित विधायक, सांसद एवं जिले के अधिकारीगण अतिथि के रूप मे शामिल होंगे।
गायत्री परिवार शाखा सारंगढ़ ने सभी धर्मप्रेमी जनता से इस महायज्ञ में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। वहीं बैठक मे जिला समन्वयक गोरा प्रसाद साहू सहित जिले के सभी ब्लॉक के कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला मिडिया प्रभारी के पी पटेल ने होने वाले 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी ली।

बड़ी खबर : गोवंशों के साथ क्रूरता, 8 को बांधकर नहर में फेंका

गौ सेवकों ने 7 गौवंश की बचाई जान , 1 की मौत

एस पी. एवं अन्य अधिकारियो से दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग



संवाददाता ➤ सारंगढ़ बिलाईगढ़

जिले के रायगढ़ रोड स्थित नहर के पास गोवंशों के साथ क्रूरता का एक बेहद शर्मनाक और हृदयविदारक मामला सामने आया है। आज सुबह लगभग 7 बजे वार्ड क्रमांक 3 के एक निवासी द्वारा गौसेवा आयोग जिला सारंगढ़ की प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन की पदाधिकारी हेमन्ती भारती को सूचना दी गई कि 8 गोवंशों को रस्सियों से बांधकर नहर में फेंक दिया गया है।सूचना मिलते ही हेमन्ती भारती ने तत्काल संस्था के जिला अध्यक्ष श्री नत्थूलाल अग्रवाल एवं गौ-रक्षक भाइयों को घटना की जानकारी दी। गौ-रक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव अभियान शुरू किया। सभी के अथक प्रयासों से 7 गोवंशों को सुरक्षित नहर से बाहर निकाल लिया गया, जबकि एक गोवंश की जान नहीं बचाई जा सकी।स हृदयविदारक घटना से संस्था की संस्थापिका एवं प्रदेश अध्यक्ष सुश्री आरूती सिंह को भी अवगत कराया गया। उन्होंने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह मानवता को शर्मसार करने वाली अमानवीय घटना है।छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन ने जिला कलेक्टर महोदया, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम सहित लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए।

ग्राम पंचायत सल्ही के पर्यटन स्थल पर अंधेरा, रोशनी के इंतजार में पर्यटक और श्रद्धालु

सोलर लाइट लगाने की मांग, प्रधानमंत्री की सौर ऊर्जा योजनाओं का लाभ ग्रामीण पर्यटन स्थलों तक पहुंचाने की जरूरत





एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

एमसीबी जिले के ग्रामीण अंचल ग्राम पंचायत सल्ही स्थित कर्मघोगेश्वर धाम पर्यटन स्थल पर प्रकाश व्यवस्था का अभाव पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस स्थल पर शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। इसके चलते यहां आने-जाने वाले लोगों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ता है।
ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इस पर्यटन स्थल को विकसित करने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। लेकिन रोशनी जैसी बुनियादी सुविधा का अभाव विकास के दावों पर सवाल खड़े करता है। विशेषकर शाम के समय श्रद्धालुओं और परिवार के साथ पहुंचने वाले पर्यटकों को काफी दिक्कत होती है।
स्थानीय लोगों की मांग है कि ग्राम पंचायत सल्ही के कर्मघोगेश्वर धाम में प्राथमिकता के आधार पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएं। इससे बिजली की निर्भरता कम होगी और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा का उपयोग भी बढ़ेगा।
प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी सौर ऊर्जा योजनाओं का उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वच्छ ऊर्जा का लाभ पहुंचाना है। ऐसे में संबंधित विभाग और ग्राम पंचायत को उपलब्ध सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय संसाधनों का नियमानुसार उपयोग कर पर्यटन स्थल पर सोलर लाइट लगाने की पहल करनी चाहिए।
अब जिम्मेदारों से सवाल
क्या ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला प्रशासन कर्मघोगेश्वर धाम की इस समस्या पर ध्यान देंगे? क्या ग्रामीण पर्यटन स्थलों को विकसित करने के साथ वहां बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी? स्थानीय लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि जल्द निरीक्षण कर सोलर लाइट लगाने की स्वीकृति और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कर्मघोगेश्वर धाम को रोशनी के साथ बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।

उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ में हो रहा अवैध धान परिवहन? रघुनाथनगर में ग्रामीणों ने पकड़ीं दो पिकअप, पुलिस को सौंपा

स्थानीय स्तर पर लगातार हो रहे पिकअप वाहनों के आवागमन को लेकर ग्रामीणों में चिंता है





एक सत बुलेटिन ➤ रघुनाथनगर

उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ की ओर धन परिवहन किए जाने का मामला सामने आया है। रविवार सुबह करीब 5:30 बजे रघुनाथनगर क्षेत्र के ग्रामीणों ने दो पिकअप वाहनों को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पकड़े गए दोनों वाहनों के नंबर क्क64 ष्ठ्ठ्र 1555 और क्क64 ष्ठ्ठ्र 7361 बताए जा रहे हैं। मामले में पुलिस द्वारा जांच किए जाने के बाद ही परिवहन से जुड़ी वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।
इस घटना के बाद क्षेत्र में धान परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि संबंधित विभाग और प्रशासन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में बैरियर लगाकर निगरानी टीम तैनात की जाती, तो इस तरह के संदिग्ध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकता था।

बैरियर और निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

स्थानीय स्तर पर लगातार हो रहे पिकअप वाहनों के आवागमन को लेकर ग्रामीणों में चिंता है। उनका सवाल है कि जब क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियां सामने आ रही हैं, तो अब तक प्रभावी बैरियर व्यवस्था और नियमित जांच की व्यवस्था क्यों नहीं की गई है।
ग्रामीणों का मानना है कि सीमावर्ती मार्गों पर बैरियर स्थापित कर जांच दल की तैनाती की जाए, ताकि संदिग्ध वाहनों की जांच हो सके और नियमों के विरुद्ध परिवहन पर रोक लगाई जा सके।

अब प्रशासन की कार्रवाई पर नजर

रघुनाथनगर थाना पुलिस द्वारा दोनों पिकअप वाहनों को अपने कब्जे में लिए जाने के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मामले में क्या कार्रवाई की जाती है। साथ ही, संबंधित विभाग इस तरह के परिवहन को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और जांच की व्यवस्था कब तक मजबूत करता है।

छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति से सजेगा राज्योत्सव का मंच



सारंगढ़-बिलाईगढ़, 1 नवंबर 2026। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का जिला स्तरीय समारोह 2 नवंबर को सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में आयोजित होगा। शाम 4 बजे से शुरू होने वाले समारोह में रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री राधेश्याम राठिया मुख्य अतिथि होंगे। छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा और वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी गणपत जांगड़े, बिलाईगढ़ विधायक श्रीमती कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय और नगर पालिका सारंगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती सोनी अजय बजोरे सहित जिला एवं जनपद पंचायतों के अध्यक्ष आमंत्रित हैं। कलेक्टर ने जिलेवासियों से समारोह में शामिल होकर राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेने की अपील की है।
सारंगढ़ जिले के खेल भाठा मैदान में आयोजित राज्योत्सव का मंच छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजेगा। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने राज्योत्सव स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी, अपर कलेक्टर एवं प्रभारी एसडीएम दशरथ राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डिप्टी कलेक्टर शंकर लाल सिन्हा, वर्षा बंसल, सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

नांदघाट क्षेत्र में खड़े दो कंटेनर ट्रकों से 550 लीटर डीजल की चोरी, प्रकरण का एसपी श्रृत्रिलोक बंसल ने किया खुलासा।

बेमेतरा, बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर चांपा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहनो से डीजल चोरी करने वाले, अंतर जिला डीजल चोर गिरोह बेमेतरा पुलिस के गिरफ्त में



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रार्थी अनीश कुमार बघेल पिता रामसिंह बघेल, उम्र 35 वर्ष, निवासी नांदनी, बण्डोल, जिला सिवनी (मध्यप्रदेश) द्वारा थाना नांदघाट में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह कंटेनर ट्रक चालक का काम करता है। दिनांक 25.10.2026 को संदीप लॉजिस्टिक कंपनी के कंटेनर ट्रक क्रमांक ष्टत 04 क्क्र 1155 में नागपुर से हल्दीराम नमकीन का सामान लोड कर झारखंड के लिए रवाना हुआ था। उसके साथ नागपुर लॉजिस्टिक का एक अन्य कंटेनर ट्रक क्रमांक स्रा 49 क्रै7621 का चालक शंकर सिडाम भी सामान लेकर झारखंड जा रहा था। दोनों वाहन साथ-साथ चल रहे थे। दिनांक 26.10.2026 को रायपुर-बिलासपुर मार्ग ह्मा-130 स्थित ग्राम चिचोली के जियो पेट्रोल पंप पहुंचे। रात्रि होने के कारण दोनों चालकों ने अपने-अपने कंटेनर ट्रकों को पेट्रोल पंप के पार्किंग स्थल में खड़ा कर रात्रि करीब 01:00 बजे वाहनों में सो गए। सुबह करीब 06:00 बजे जब प्रार्थी उठा तो उसने देखा कि उसके कंटेनर ट्रक की डीजल टंकी का ढक्कन खुला हुआ था तथा टंकी से डीजल गायब था। इसके बाद उसने अपने साथी शंकर सिडाम को जगाकर उसके वाहन की डीजल टंकी की जांच की, तो उसके कंटेनर ट्रक की टंकी का ढक्कन भी खुला मिला तथा उसमें से भी डीजल चोरी हो चुका था। अज्ञात आरोपी द्वारा दिनांक 26.10.2026 की रात्रि करीब 01:00 बजे से सुबह 06:00 बजे के मध्य दोनों वाहनों की डीजल टंकियों से कुल 550 लीटर डीजल, जिसमें एक वाहन से 350 लीटर एवं दूसरे वाहन से 200 लीटर डीजल, जुमला कीमती 54,450 रुपये चोरी कर लिया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 303(2)के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।
घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, मामले की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसाल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा श्री भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, थाना प्रभारी सिअी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि कंवल सिंह नेताम को अपराध विवेचना हेतु साइबर व थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान जरिये मुखबीर की सूचना पर दिनांक 31.10.2026 को आरोपी निखिलदास, सुरज कुर्रे, मनीष कुमार जांगड़े उर्फ मोना, संजीत कुमार अनंत, जयकरण खुंटे, शुभम जांगड़े, रेशम उर्फ मोनु यादव, एवं राजेश कोयल को घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ करने पर पता चला कि सभी लोग एक साथ रोड किनारे खड़े वाहनो से डीजल की चोरी करते है चोरी की डीजल को बेच कर पैसा प्राप्त होता है उसे आपस में बांट कर पैसा का उपयोग करना तथा सभी लोग मिलकर उपेन्द्र यादव के स्कार्पियो क्रमांक सी जी 12 बी व्ही 4596 एवं राजेश कोयल के स्कार्पियो क्रमांक सी जी 11 बी एस 6684 का आरटीओ द्वारा जारी वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर डिजिटल नंबर प्लेट का फेरबदल कर वाहनो से डीजल चोरी करने के समय में स्कार्पियों वाहन में फर्जी नंबर सी जी 10 बी ए 7969 कम्प्युटराईड पंजीयन नंबर का उपयोग करना।
प्रकरण में आरोपीगण एक दुसरे के मोबाईल नंबर से संपर्क में रहकर चोरी करना तथा अलग-अलग जगह से डीजल की चोरी किये करने की बात सामने आया। डीजल को शासन द्वारा निर्धारित मुल्य की राशि में फेरबदल कर अन्य लोगो को बेच देना। माह अगस्त 2026 में बेमेतरा क्षेत्र के रांका के आदिशक्ति ढाबा के पास खड़े वाहन से करीबन 500 लीटर डीजल, माह सितम्बर में ग्राम बेतर बिजली आफिस के पास से करीबन 100 लीटर डीजल जांजगीर बाराद्वार से 270 लीटर डीजल सिमगा क्षेत्र से करीबन 170 लीटर डीजल दिनांक 29.10.2026 को ढेका बिलासपुर के पास ट्रक से करीबन 250 लीटर डीजल, सैगोना बेमेतरा से 300 लीटर डीजल चोरी करना एवं घटना दिनांक 26.10.2026 को सरगांव के पास रोड किनारे खड़े ट्रक से करीबन 150 लीटर डीजल चोरी करने के बाद रात करीबन 01 बजे ग्राम टेमरी जियो पेट्रोल पंप के पास रोड किनारे खड़े कंटेनर ट्रक क्रमांक सीजी 04 आर बी 1155 से करीबन 350 लीटर डीजल एवं कंटेनर क्रमांक एम एच 49 बी जेड 7621 से करीबन 200 लीटर डीजल दोनो ट्रकों की टंकी करीबन करना तथा चोरी किय डीजल बिक्री रकम में से कुछ पैसा खर्च होना ।

नये धान खरीदी केंद्र के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने देवसागर से हटवाया बेजा कब्जा

देवसागर क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को मिलेगी सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

खरीफ विपणन वर्ष में किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्य शासन द्वारा नये धान खरीदी केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर भटगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की शुरुआत हो रही है। इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन खरीदी केंद्र के लिए चयनित शासकीय भूमि पर ग्रामीणों द्वारा बेजा कब्जा कर लिया गया था। जिसे हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा मुक्त कराया और धान खरीदी केंद्र के लिए जगह को सुरक्षित किया।

किसानों को हो रही थी परेशानी

देवसागर क्षेत्र के किसानों को अब तक धान बेचने के लिए दूर के खरीदी केंद्रों में जाना पड़ता था। इससे उन्हें परिवहन में



अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी होती थी। छोटे किसानों के लिए यह और भी बड़ी समस्या थी। कई बार ट्रैक्टर-ट्रॉली न मिलने से धान समय पर नहीं बिक पाता था। राज्य शासन के निर्देशानुसार जब देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति मिली तो क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। शासन ने ग्राम पंचायत देवसागर में शासकीय भूमि को खरीदी केंद्र के लिए चयनित किया।

शासकीय भूमि पर था बेजा कब्जा



खरीदी केंद्र के लिए चयनित स्थान जो शासकीय भूमि थी, उस पर ग्रामवासियों ने अपनी आवश्यकता अनुसार कब्जा कर रखा था। किसी ने वहां मवेशी बांध रखे थे, तो किसी ने अस्थायी झोपड़ी बना रखी थी, तो किसी ने अपना सामान रख रखा था। यह कब्जा लंबे समय से चला आ रहा था। जब धान खरीदी केंद्र के लिए जगह की नाप-जोख की गई तो यह बात सामने आई कि पूरी जमीन पर बेजा कब्जा है। इसके बाद तहसील कार्यालय द्वारा ग्रामीणों को नोटिस देकर कब्जा हटाने को कहा गया।

तहसीलदार की टीम ने हटवाया कब्जा

बेजा कब्जा हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार परमेश्वरी तिलकवार के नेतृत्व में राजस्व टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बिना किसी जोर-जबरदस्ती के ग्रामीणों को समझाइश देकर कब्जा हटवाया। इस दौरान लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा से मुक्त कराया गया। ताकि 9 गांवों से आने वाले किसानों को खरीदी केंद्र में किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान खरीदी के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के आने-जाने, धान के रख-रखाव और तौल के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता होती है, इसलिए इतनी बड़ी जगह को खाली कराना जरूरी था। तहसीलदार नेत्रप्रभा सिदार ने बताया कि बेजा कब्जा हटाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग किया और स्वयं ही अपना सामान हटा लिया। यह एक अच्छी पहल है कि किसान हित में ग्रामीणों ने खुद ही कब्जा खाली कर दिया।

ये रहे उपस्थित

बेजा कब्जा हटाने की इस कार्रवाई के दौरान ग्राम सरपंच देवसागर प्रतिनिधि उमाशंकर साहू, नई शाखा प्रबंधक पूरन साहू, पुलिस थाना भटगांव के सिपाही, ग्राम कोटवार, आर.आई. भटगांव तथा पटवारी की पूरी टीम के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। पुलिस की मौजूदगी से शांति व्यवस्था बनी रही। 9 गांवों के किसानों को होगा लाभ इस नये धान खरीदी केंद्र के शुरू होने से देवसागर सहित आसपास के लगभग 9 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें अपना धान बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। समय और पैसे दोनों की बचत होगी। साथ ही धान खरीदी केंद्र नजदीक होने से वे अपनी फसल की देखरेख भी आसानी से कर पायेंगे। शासन द्वारा इस वर्ष धान खरीदी की तैयारियां जोरों पर हैं। बेजा कब्जा हटने के बाद अब यहां चबूतरा निर्माण, कांटा-बांट, बारदाना व्यवस्था और अन्य तैयारियां शुरू की जायेंगी। क्षेत्र के किसानों ने शासन और प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है और जल्द से जल्द खरीदी केंद्र शुरू करने की मांग की है।

विकास के नाम पर नए निर्माण का शोर, पुरानी धरोहरों की बर्बादी पर नगर पालिका मौन!

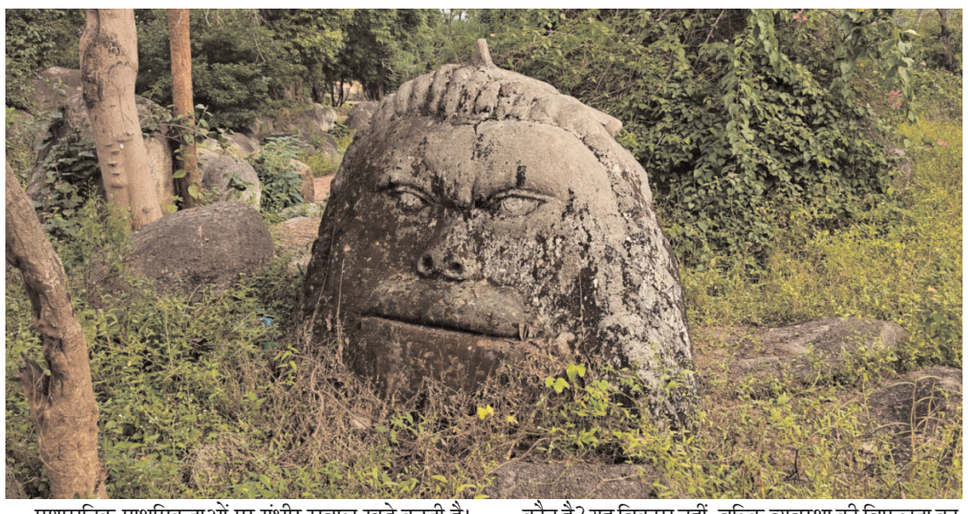
एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मनेंद्रगढ़ नगर पालिका में आखिर विकास किसका हो रहा है? जनता के लाखों रुपये से निर्मित हर्बल गार्डन और पार्क आज खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। सरकारी धन खर्च कर निर्माण करना ही विकास नहीं, बल्कि उस निर्माण को सुरक्षित रखना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

मनेंद्रगढ़ नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 22 में स्थित हर्बल गार्डन और पार्क की बदहाली नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवालिया निशान है। कुछ वर्ष पहले लाखों रुपये खर्च कर जिस पार्क को शहर की सुंदरता और नागरिकों की सुविधा के उद्देश्य से विकसित किया गया था, आज वही पार्क झाड़ियों और जंगल के बीच अपनी पहचान खोता जा रहा है। जिस स्थान पर कभी हरियाली, सुंदरता और नागरिकों के मनोरंजन की कल्पना की गई थी, वहां आज उपेक्षा और लापरवाही का नजारा दिखाई देता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सरकारी धन से बनी संपत्तियों की जिम्मेदारी किसकी है? क्या नगर पालिका का काम केवल निर्माण कार्यों के प्रस्ताव तैयार करना, बजट स्वीकृत कराना और नए कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करना ही रह गया है? यदि पहले से निर्मित पार्क और सार्वजनिक सुविधाओं का संरक्षण नहीं हो सकता, तो फिर नए निर्माणों के नाम पर जनता के पैसे खर्च करने का औचित्य क्या है?

वार्ड 22 में हर्बल गार्डन के समीप लाखों रुपये की लागत से छठ घाट का निर्माण कराया गया, लेकिन बगल में मौजूद पार्क की बदहाली पर किसी का ध्यान नहीं गया। यह स्थिति



प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है। एक तरफ नए निर्माणों की योजनाएं तैयार होती हैं, दूसरी तरफ पहले से बनी सरकारी संपत्तियां धीरे-धीरे बर्बाद हो रही हैं। नगर पालिका में निर्माण कार्यों को लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता है। जनता के बीच उठ रहे कथित कमीशनखोरी और अनियमितताओं के आरोपों को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। आखिर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कौन करता है? निर्माण के बाद रखरखाव का बजट कहां खर्च होता है? और सरकारी संपत्तियों की दुर्दशा के लिए जवाबदेह कौन है? यह विकास नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का आईना है! नगर पालिका के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को समझना होगा कि जनता का पैसा किसी की निजी संपत्ति नहीं है। यह मेहनतकश नागरिकों के टैक्स और शासन की योजनाओं से प्राप्त धन है। इसका उपयोग जनता की सुविधा के लिए होना चाहिए, न कि ऐसी परिसंपत्तियां खड़ी करने के लिए जिन्हें कुछ वर्षों बाद लावारिस छोड़ दिया जाए। अब समय आ गया है कि वार्ड 22 के हर्बल गार्डन और पार्क के निर्माण में खर्च हुई राशि, तकनीकी गुणवत्ता, रखरखाव और वर्तमान स्थिति की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने का अल्टीमेटम

संभाग के सभी 819 पटवारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश, संबंधित एसडीएम ने जारी किए शो कॉज नोटिस'

फसल क्षति सर्वेक्षण और जरूरी राजस्व कार्य प्रभावित, अनुपस्थित रहने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी'

अनुपस्थिति अवधि को ब्रेक इन सर्विस माना जावेगा

एक सत बुलेटिन ➤ अम्बिकापुर

सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 60, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है।

बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे।

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है। इसके अलावा आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुई फसल क्षति का त्वरित सर्वेक्षण, नुकसान का आकलन और पात्रतानुसार राहत संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता से की जानी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से ये अत्यावश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित पटवारियों से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई, अनुपस्थिति अवधि के वेतन एवं अन्य सेवा लाभों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई तथा उक्त अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा।

रायपुर में 2 नवंबर को होगा कोयला एवं लिग्नाइट खदानों का स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी करेंगे पुरस्कारों का वितरण; वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खदानें होंगी सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

देश में कोयला एवं लिग्नाइट खनन क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रबंधन, परिचालन दक्षता, सुरक्षा और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा 2 नवंबर 2026 को रायपुर में स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में आकलन वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कोयला एवं लिग्नाइट खदानों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और पुरस्कारों का वितरण करेंगे। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव श्री विक्रम देव दत्त, अपर सचिव श्री सनोझ कुमार झा सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकारों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

कोयला खदानों के लिए लागू स्टार रेटिंग नीति के अंतर्गत खदानों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था निर्धारित की गई है। इसके तहत परिचालन दक्षता, आधुनिक तकनीक का उपयोग, व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, पर्यावरण प्रबंधन, सतत विकास, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना तथा स्थानीय समुदायों के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों सहित विभिन्न मानकों पर खदानों के प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। कोयला नियंत्रक संगठन द्वारा नियुक्त समीक्षकों के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया और निर्धारित मानकों के अनुरूप खदानों का मूल्यांकन एवं सत्यापन किया जाता है। इसके आधार पर खदानों को पांच स्टार से लेकर शून्य स्टार तक की रेटिंग प्रदान की जाती है। आकलन वर्ष 2024-25 में निर्धारित मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खदानों को समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने स्वयं लिया राज्योत्सव की तैयारियों का जायजा;

अधिकारियों को दिए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश





एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी





भरतपुर जिले में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आज रविवार को कार्यक्रम स्थल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड पहुंचकर मंच निर्माण, विभागीय स्टॉल्स और वीआईपी बैठक व्यवस्था की बारीकियों को देखा।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की और निर्माण एजेंसी सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि भव्य आयोजन की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समय-सीमा के भीतर पूरी की जाएं। उन्होंने आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और पार्किंग के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए ताकि कार्यक्रम में शामिल होने वाले आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता आनंद डोंगरे, लिंगराज सिदार, एस डी एम मनेन्द्रगढ़ शशि शेखर मिश्रा, सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

12 जून 2025 का स्मरण पत्र खोल रहा प्रशासनिक व्यवस्था की पोल!

कलेक्टर के दो टूक आदेश के बाद भी BPM सुलेमान खान पर कार्रवाई क्यों नहीं?

एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के स्वास्थ्य विभाग में ~~पदस्थ~~ सुलेमान खान की पदस्थापना और उनके विरुद्ध पूर्व में हुई विभागीय कार्रवाई का मामला अब गंभीर प्रशासनिक सवाल बनता जा रहा है। इस मामले में सामने आई तत्कालीन कलेक्टर की आधिकारिक पत्रावली ने पूरे प्रकरण को नया मोड़ दे दिया है। सवाल यह नहीं है कि शिकायत हुई थी या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि जब जिला कलेक्टर ने स्वयं जांच प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित कर्मचारी को सेवा में बनाए रखने योग्य नहीं माना, तब आखिर कार्रवाई क्यों नहीं हुई?



उपलब्ध प्रमाणित प्रति के अनुसार तत्कालीन कलेक्टर, जिला एमसीबी द्वारा 12 जून 2025 को पत्र क्रमांक 2302/अपकले/वाचक/2025 के माध्यम से मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य भवन रायपुर को स्मरण पत्र भेजा गया था। पत्र का विषय विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, विकासखंड मनेन्द्रगढ़ (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) तत्कालीन जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान की सेवा समाप्ति से संबंधित है।

जांच में सामने आई थी दुरभिसंधि की बात

दस्तावेज में उल्लेख है कि चिरमिरी स्थित तुलसी अमृत हॉस्पिटल की ~~[illegible]~~ के अंतर्गत सील कार्रवाई के निरीक्षण से संबंधित फाइलों एवं नस्तियों के गायब होने के मामले में विभागीय स्तर पर जांच की गई थी।

पत्र में संदर्भित दस्तावेजों के अनुसार 17 सितंबर 2024 को अपर कलेक्टर एवं विभागीय जांच अधिकारी द्वारा जांच प्रक्रिया पूरी की गई। जांच के पश्चात संबंधित विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान की दुरभिसंधि में सहभागिता होने संबंधी प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि संबंधित कर्मचारी से जवाब प्राप्त किया गया, जो संतोषजनक नहीं पाया गया।

कलेक्टर ने लिखा—भविष्य में सेवा में रखे जाने योग्य नहीं

सबसे गंभीर तथ्य 12 जून 2025 के स्मरण पत्र में दर्ज है। तत्कालीन कलेक्टर ने स्पष्ट उल्लेख किया कि संबंधित कर्मचारी की दुरभिसंधि में सहभागिता परिलक्षित होने के कारण उन्हें भविष्य में सेवा में रखे जाने योग्य नहीं माना गया है। इसके पूर्व भी सेवा से पृथक करने के लिए पत्र भेजा गया था, लेकिन पत्र की तारीख तक संबंधित कर्मचारी को सेवा से पृथक नहीं किया गया था।इसी स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने पुनः तत्काल सेवा से पृथक किए जाने के लिए मिशन संचालक को पत्र प्रेषित किया। इसके साथ जांच प्रतिवेदन की छायाप्रति भी संलग्न की गई थी।

आखिर किसके संरक्षण में चल रही है जिम्मेदारी?अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि 12 जून 2025 को कलेक्टर द्वारा भेजे गए स्मरण पत्र के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों ने क्या कार्रवाई की क्या सेवा समाप्ति का प्रस्ताव लंबित रखा गया क्या किसी स्तर पर जांच प्रतिवेदन को दबाया गया यदि कार्रवाई हुई तो उसका आदेश सार्वजनिक क्यों नहीं है?

न्यूज इन शॉर्ट

राज्य स्थापना दिवस पर महापौर मीनल चौबे का संदेश! स्वच्छ रायपुर बनाने का आह्वान

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़ और संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी ने राजधानीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। नगर निगम के समस्त महापौर परिषद (एमआईसी) सदस्यों, जोन अध्यक्षों, वार्ड पार्षदों और एल्डरमैनों ने भी प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और शांति की कामना की है। इस अवसर पर नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने सभी नागरिकों से रायपुर को स्वच्छ, सुंदर और हरित राजधानी बनाने के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। महापौर मीनल चौबे ने अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेश की पहचान, संस्कृति और विकास यात्रा को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस दिन प्रत्येक नागरिक को अपने शहर और प्रदेश को बेहतर बनाने का संकल्प लेना चाहिए।रायपुर को स्वच्छ और हरित बनाने की अपील

महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़ और संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी सहित नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से राजधानी रायपुर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राजधानी को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम के प्रयासों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। शहर की स्वच्छता, सुंदरता और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए सभी लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से राजधानी के अनुरूप रायपुर को एक आदर्श स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के संकल्प में सहयोग देने की अपील की है।

बीजापुर में पुनर्वासित युवाओं को बड़ी सौगात, श्रम विभाग ने बनाए 45 श्रमिक कार्ड

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार जिले के पुनर्वास केंद्र में श्रम विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 45 पुनर्वासित युवाओं के श्रमिक कार्ड बनाए गए। इससे पहले पुनर्वास केंद्र में 250 व्यक्तियों का श्रमिक पंजीयन किया जा चुका था। इस प्रकार अब तक कुल 295 व्यक्तियों को श्रम विभाग के पंजीयन से जोड़ा गया है। जिला प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुनर्वासित युवाओं को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। श्रमिक पंजीयन के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में श्रम विभाग के अधिकारियों ने पुनर्वासित युवाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार ने श्रमिक पंजीयन की प्रक्रिया, आवश्यक औपचारिकताओं और श्रमिक हितैषी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को जानकारी दी कि श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं का उद्देश्य पात्र श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। श्रमिक कार्ड के माध्यम से पात्रता और संबंधित योजना के नियमों के अनुसार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में युवाओं को पंजीयन की प्रक्रिया समझाने के साथ ही शासन की योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पंजीयन होने के बाद पात्र हितग्राही संबंधित योजनाओं के तहत आवेदन कर सकते हैं। 45 नए श्रमिक कार्ड बने, कुल पंजीयन 295 पहुंचा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग की टीम ने विशेष पहल करते हुए 45 पुनर्वासित युवाओं के श्रमिक कार्ड बनाए। इससे पहले भी पुनर्वास केंद्र में 250 व्यक्तियों का श्रमिक पंजीयन किया गया था। इस प्रकार पुनर्वास केंद्र से जुड़े कुल 295 व्यक्तियों का श्रमिक पंजीयन पूरा हो चुका है।

बिलासपुर में ऑपरेटर की मौत के बाद भड़के ग्रामीण, मुआवजे-नौकरी की मांग को लेकर किया हंगामा

डिवीजनल इंजीनियर की लात-घूंसे और चप्पलों से जमकर पिटाई

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली ऑपरेटर की मौत के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहे लोगों ने बिजली विभाग के डिवीजनल इंजीनियर (डीई) मिलिंद पांडेय को घेरकर जमकर पीट दिया। भीड़ ने उन पर लात-घूंसे बरसाए और चप्पलों से भी हमला किया।इस दौरान मौके पर मौजूद दो आरक्षकों ने किसी तरह डीई को भीड़ से बाहर निकाला। मारपीट में उनके कपड़े फट गए और शरीर पर चोटें आई है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वहीं, देर रात डीई की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। घटना हिर्री थाना क्षेत्र के ग्राम कुरेली की है।

करंट लगने से ऑपरेटर की मौत, शव उठाने नहीं दिया

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह कुरेली सब स्टेशन में तैनात ढनढन निवासी अमन साहू (35) की करंट लगने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने शव उठाने नहीं दिया। वे मृतक के परिवार को मुआवजा और नौकरी देने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने ठेकेदार और बिजली विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाने की मांग की।इसके बाद डीएसपी राजेश जोशी, डीई मिलिंद पांडेय और विभाग के अन्य अधिकारी गांव पहुंचे। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मांगों पर लिखित आश्वासन देने को कहा। दोपहर करीब 3-15 बजे डीई कुछ ग्रामीणों से बातचीत करने थोड़ी दूर गए। इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। लोगों ने लात-घूंसे और चप्पलों से हमला किया। मौके पर मौजूद आरक्षकों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला।



बिना चप्पल पहने सब स्टेशन में काम कर रहा था ऑपरेटर

कोटवार ने पुलिस को बताया कि, शनिवार सुबह करीब 9-30 बजे अमन सब स्टेशन में बिना चप्पल पहने काम कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। कुछ लोगों के मुताबिक, अमन सब स्टेशन में ही रहता था। नहाने के बाद फीडर ट्रिप होने पर वह उसे चालू करने गया था। हालांकि, उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

वीडियो से हमलावरों की पहचान कर रही पुलिस

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देर रात डीई मिलिंद पांडेय की रिपोर्ट पर हिर्री थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान कर रही है।

डीएसपी राजेश जोशी ने बताया कि डीई सुबह से ही मौके पर मौजूद थे। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान वे कुछ लोगों के साथ थोड़ी दूर गए, तभी भीड़ ने हमला कर दिया। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पहले भी बिजलीकर्मियों से मारपीट और झूमाझटकी के मामले

खपरगंज-बिजली आपूर्ति बहाल करने पहुंचे कनिष्ठ यंत्री देव सिंह कंवर और उनकी टीम को लोगों ने घेर लिया था। शिकायत के मुताबिक, कुछ लोगों ने जेई को पकड़कर कबाड़ी गली की ओर ले जाने की कोशिश की। उनके कपड़े खींचे और बाल पकड़े। स्काई लिफ्ट चालक से भी हाथापाई की गई और वाहन की चाबी छीनने का प्रयास हुआ। कोतवाली पुलिस ने शाहनवाज मकवाना समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

विनोबा नगर- 1.23 लाख रुपए से अधिक बिजली बिल बकाया होने पर लिंक रोड जोन के सहायक अभियंता रवि ध्रुव टीम के साथ कनेक्शन काटने पहुंचे थे। आरोप है कि उपभोक्ता के बेटे नितिन द्विवेदी ने कर्मचारियों को पोल पर सीढ़ी लगाने से रोका। इस दौरान धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की गई। सहायक अभियंता की शिकायत पर तारबाहर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।बिलासपुर में जन्मदिन मनाते समय देर रात तक ढोल-नगाड़े बजाने और पटाखे फोड़ने का जज और उनके परिवार ने विरोध किया। जिस पर प्रॉपर्टी डीलर अभय बरुआ और उसके साथियों ने कुटुंब न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीश और परिवार को घेरकर गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों से जमकर मारपीट की।घटना में न्यायाधीश की पत्नी, साला और परिवार के अन्य सदस्य भी विवाद की चपेट में आ गए। मारपीट में न्यायाधीश की शर्ट के बटन टूट गए, जबकि उनकी पत्नी और साले का चश्मा भी आरोपियों ने छीन लिया। घटना 31 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे राजकिशोर नगर के जूनियर एमआईजी क्षेत्र की है।

सरपंच के शराब पीने से रोकने पर 2-पक्षों में मारपीट

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सलिहा थाना क्षेत्र के ग्राम कुशभाठा में शराब पीने से रोकने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद दो पक्षों के बीच मारपीट तक पहुंच गया। घटना में दोनों पक्षों के करीब 9 लोगों को चोटें आने की जानकारी सामने आई है।

गायन और नृत्य प्रतियोगिता में 6 से 20 साल तक के बच्चों ने लिया हिस्सा

रायपुर में टैलेंट 2.0 में दिव्यांग बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

अमारुति फाउंडेशन एंड हेरिटेज इंडिया की ओर से शांतिनगर स्थित विमतारा भवन में टैलेंट 2.0 गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें दिव्यांग और सामान्य बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में 6 से 20 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को मंच देना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना था।कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन की अध्यक्ष मेघा तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया जा सकता है। उन्होंने बच्चों और उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय भी बताए। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने दिव्यांग और सामान्य बच्चों को समान अवसर देने और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की बात कही।

ऐसे आयोजनों से बढ़ता है आत्मविश्वास

विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें अपनी क्षमताएं पहचानने का अवसर देते हैं। प्रतियोगिता के जरिए दिव्यांग और सामान्य बच्चों को एक मंच पर लाकर समानता, समावेशिता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। साथ ही समाजसेवियों के योगदान को सम्मान देने पर भी जोर दिया गया।

निर्णायक मंडल में ये रहे शामिल

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में छायांकन निर्देशक रोनी चंदेल, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नृत्यांगना एकता पंसारी, छत्तीसगढ़ आइडल संदीप रॉय जाधव, समाजसेविका नेहा पांडेय और गायिका एवं आध्या शक्ति महिला मंच की अध्यक्ष श्वेता डिया की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

जमीन में गड़े 21 लाख निकालते पकड़ाईं सरेंडर महिला नक्सली

ठेकेदारों और आम लोगों से वसूली थी रकम, चलपति ने 2024 में छिपाए थे

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए 21 लाख रुपए के नकद डंप को निकालने पहुंचे 2 महिला सरेंडर नक्सलियों समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, यह रकम नक्सली संगठन ने ठेकेदारों और आम नागरिकों को डराकर अवैध वसूली के जरिए जुटाई थी।मामला मैनपुर थाना क्षेत्र के राजाडेरा जंगल का है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं ने शासन की पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर किया था। पुलिस का कहना है कि इसके बावजूद वे नक्सली संगठन के लिए छिपाई गई रकम निकालने की योजना बना रही थीं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह रकम नक्सली चलपति ने 2024 में छिपाई थी।

जंगल से बैग लेकर लौट रहे थे, पुलिस ने पकड़ा

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग राजाडेरा पहाड़ी के पास जंगल में



छिपाकर रखी गई रकम निकालने पहुंचने वाले हैं। इसके आधार पर मैनपुर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की। इसी दौरान जंगल से बैग लेकर लौट रहे संदिग्धों ने पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया।तलाशी के दौरान उनके पास मिले काले रंग के बैग में एक टिफिन रखा मिला। इसमें 500-500 रुपए के नोटों के बंडल थे। पुलिस ने कुल 21 लाख रुपए नकद बरामद किए। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन और एक टीवीएस बाइक भी जब्त की गई है।

चलपति की गार्ड और सीनापाली दलम की पूर्व पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में सिंगे उर्फ रोशनी निवासी ग्राम गामगुलावर, जिला सुकमा शामिल है। वह नक्सली कमांडर चलपति की गार्ड रह चुकी है। दूसरी आरोपी बुधरी मुचाकी उर्फ बुदरी उर्फ सोनी निवासी एटेगट्टा, जिला सुकमा है, जिसे सीनापाली दलम की पूर्व कमांडर बताया गया है।तीसरा आरोपी नोहर मरकाम निवासी ग्राम भुतबेड़ा, थाना मैनपुर है।

बलरामपुर में चेकडैम निर्माण में गड़बड़ी,तकनीकी-सहायक की संविदा सेवा खत्म

एक सत बुलेटिन ➤ बलरामपुर

बलरामपुर में चेकडैम निर्माण में तकनीकी कमियां मिलने पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर एक तकनीकी सहायक की संविदा सेवा खत्म कर दी गई है।वहीं, 3 तकनीकी सहायकों से 9.13 लाख रुपए वसूलने और जांच के दायरे में आए 17 चेकडैम कामों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यवेक्षण में लापरवाही पर 4 वरिष्ठ अधिकारियों से भी जवाब मांगा गया है।

12 मार्च 2026 को चेकडैम निर्माण की गुणवत्ता को लेकर खबरें प्रकाशित हुई थीं। इसके बाद राज्य कार्यालय के निर्देश पर प्रशासन ने मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) से 17 चेकडैम कामों की जांच कराई।जांच रिपोर्ट में कुछ कामों में कंक्रीट की गुणवत्ता और उप-संरचनाओं के निर्माण में तकनीकी कमियां मिलीं। रिपोर्ट में कंक्रीट की सतह पर प्लास्टर करने और निर्माण कार्यों का अधिक मूल्यांकन करने की बात भी सामने आई।

9.13 लाख रुपए वसूलने के निर्देश

जांच के आधार पर तकनीकी सहायक रोहित कुमार, अविनाश भारती और कृपाशंकर गुप्ता से कुल 9.13 लाख रुपए वसूलने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद पंचायत आदेश जारी कर खत्म कर दी गई।

:विधायक अमर अग्रवाल ने डीएवी के 50 पदक जीतने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया

स्वच्छता के सुझाव देने वाले पांच लोग सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

बिलासपुर में स्वच्छता और शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए अच्छे सुझाव देने वाले पांच लोगों को विधायक और पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने शुक्रवार को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम सेवा से संकल्प अभियान के तहत हमर बिलासपुर सोशल मीडिया ग्रुप की ओर से आयोजित किया गया। इसके साथ ही दिल्ली में हुए डीएवी नेशनल गेम्स में 50 पदक जीतने वाले डीएवी पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

स्वच्छता के अच्छे सुझाव देने वाले 5 लोगों का सम्मान

कलेक्टर संजय अग्रवाल की पहल पर हमर बिलासपुर सोशल मीडिया ग्रुप में लोगों से शहर की सफाई और सुंदरता बढ़ाने के लिए सुझाव मांगे गए थे। इनमें से पांच बेहतर सुझाव देने वाले आशीष वाजपेयी, मोनू रजक, दीपाली दुआ, रजनीश ताम्रकार और विजेंद्र तिवारी को





सम्मानित किया गया।

डीएवी स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते 50 पदक

दिल्ली में आयोजित डीएवी नेशनल गेम्स में डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 50 पदक जीते। इनमें 15 स्वर्ण, 24 रजत और 11 कांस्य पदक शामिल हैं। इस उपलब्धि पर विधायक अमर अग्रवाल ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मेहनत और माता-पिता के सहयोग से बच्चे सफलता हासिल करते हैं। ये प्रतिभाशाली खिलाड़ी बिलासपुर की पहचान हैं। भाजपा सरकार खेलो इंडिया सहित कई योजनाओं के जरिए खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर दे रही है।

पूर्व ओपनर आकाश चोपड़ा भड़के, वैभव सूर्यवंशी को बाहर रखने पर घमासान



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में टीम इंडिया की हार से ज्यादा चर्चा वैभव सूर्यवंशी के प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठने की हो रही है। इस मैच से पहले भारतीय टीम शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी थी। सीरीज जीतने का बाद यह मुकाबला एक तरह से डेड रबर था। इसके बावजूद युवा वैभव को बेंच पर बैठाए जाने पर पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा भड़क उठे हैं। उन्होंने टीम मैनेजमेंट की चयन नीति पर तीखा तंज कसते हुए बड़ा सवाल उठाया है। ईशान किशन की चोट के बाद टीम में बतौर रिप्लेसमेंट

ड़ी आलोचना करते हुए चोपड़ा ने अंत में कहा कि टीम मैनेजमेंट को यह साफ-साफ बताना चाहिए कि भविष्य के लिए वैभव को लेकर उनका रोडमैप और प्लान क्या है, क्योंकि इस तरह से युवा खिलाड़ी को नजरअंदाज करना बेहद निराशाजनक है।

आए युवा वैभव सूर्यवंशी ने दूसरे और तीसरे टी20 में 4 और 45 रनों की पारियां खेलकर अपनी काबिलियत की झलक दिखाई थी। हालांकि, जैसे ही ईशान किशन फिट होकर वापस लौटे, चौथे मैच में वैभव को प्लेइंग इलेवन से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगर आप बहुत ज्यादा फिलॉसॉफिकल होकर सोचें तो नियम यही कहता है कि वैभव किसी के चोटिल होने पर आए थे, इसलिए ईशान के फिट होने पर उन्हें ही बाहर बैठना होगा। लेकिन जरा सोचिए, यह एक डेड रबर मुकाबला था।

टीम मैनेजमेंट की सोच पर उठे सवाल

आकाश चोपड़ा ने टीम मैनेजमेंट को आड़े हाथों लेते हुए सीधा और तीखा सवाल दागा कि क्या इस युवा खिलाड़ी को सिर्फ तभी मौका मिलेगा जब टीम का कोई खिलाड़ी चोटिल होगा? उन्होंने कहा कि अगर यही नीति है तो फिर इस युवा खिलाड़ी को बेंच पर बैठाए रखने का कोई तुक नहीं बनता। चोपड़ा ने दो टूक शब्दों में कहा कि क्या आप वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तब खिलाएंगे जब कोई इंजर्ड हो जाएगा? या जब कोई उपलब्ध नहीं होगा? अगर ऐसा ही है तो फिर आप उन्हें घर वापस भेज दीजिए। उन्हें कहिए कि जाकर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेलें। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि ड्रेसिंग रूम में बड़े खिलाड़ियों के साथ रहने से भी काफी कुछ सीखने को मिलता है, लेकिन अगर लंबे समय तक उन्हें मैदान पर खेलने का मौका ही नहीं मिलेगा तो बेंच पर बैठने का क्या फायदा? कड़ी आलोचना करते हुए चोपड़ा ने अंत में कहा कि टीम मैनेजमेंट को यह साफ-साफ बताना चाहिए कि भविष्य के लिए वैभव को लेकर उनका रोडमैप और प्लान क्या है, क्योंकि इस तरह से युवा खिलाड़ी को नजरअंदाज करना बेहद निराशाजनक है।

इंडिया ए ने पहली पारी में 346 रन बनाए

जुरेल का शतक, आकाश दीप ने फिफ्टी लगाई; न्यूजीलैंड ए 218/3

एजेंसी ➤ क्राइस्टचर्च

इंडिया ए ने क्राइस्टचर्च में चल रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहली पारी में 346 रन बनाए। रविवार को दूसरे दिन स्टंप्स तक न्यूजीलैंड ने 3 विकेट पर 218 रन बना लिए हैं।कप्तान ध्रुव जुरेल ने 171 गेंद पर 105 रन की पारी खेली। जुरेल ने 4 घंटे 7 मिनट बल्लेबाजी की। ध्रुव की पारी में 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।इंडिया ए ने 291/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। उसने 55 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए।

- जुरेल और आकाश दीप ने इंडिया को 300 पार पहुंचा
- एक समय इंडिया ए ने 137 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में ध्रुव जुरेल ने 2 अहम साझेदारियां करके टीम को 300 पार पहुंचाया।जुरेल ने फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक लगाया। जबकि, आकाश दीप ने 9वें नंबर पर 68 रन बनाकर अपना सबसे बड़ा फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया।
- जुरेल ने 7वें विकेट के लिए मानव सुथार के साथ 97 गेंदों पर 62 रन जोड़े। फिर आकाश दीप के साथ 8वें विकेट के लिए बड़ी साझेदारी की। दोनों ने 142 गेंदों पर 75 रन जोड़े।
- पहले दिन पडिक्कल ने फिफ्टी लगाई
- मैच के पहले दिन ध्रुव जुरेल 99 रन पर नाबाद लौटे थे। जबकि, देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।
- यशस्वी जायसवाल इस पारी में भी अपना खाता नहीं खोल सके। वे पहले ओवर में फैजर शीट की चौथी गेंद पर आउट हो गए।

स्कूटर लेकर मैदान में घुसा शख्स, रोकना पड़ा मैच

शनिवार को मैच के दौरान मैदान पर एक शख्स स्कूटर लेकर पहुंच गया। इसके चलते कुछ देर के लिए मैच रोकना पड़ा। घटना देखकर मैदान पर मौजूद खिलाड़ी और कमेंटेटर भी अपनी हंसी नहीं रोक सके।यह घटना पहले दिन के आखिरी सेशन में न्यूजीलैंड की पारी के 83वें ओवर से पहले हुई। तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल गेंदबाजी के लिए रनअप ले रहे थे, तभी भारतीय बल्लेबाज आकाश दीप ने उन्हें रुकने के लिए कहा।

ओकामुरा के साथ मुकाबला हुआ



चेन्नई ओपन WT 250 टेनिस टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग मुकाबला शनिवार को चेन्नई में खेला गया। इसमें भारत की दिया रमेश का जापान की क्योका ओकामुरा के साथ मुकाबला हुआ। इस दौरान दिया ने कई बेहतरीन शॉट भी लगाए। हालांकि मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियन

एजेंसी ➤ हैमिल्टन

भारत ने अहमदाबाद में शनिवार (31 अक्टूबर) को पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए।

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया

पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे।

भारत हुड्डू ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया।डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया। शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया



एजेंसी ➤ हैमिल्टन

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां टी-20 मुकाबला 7 विकेट से हार गई है। हालांकि टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हैमिल्टन में कीवी टीम ने 192 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 18 ओवर में चेज कर लिया।टिम साइफर्ट ने 50 बॉल पर 93 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रन की पारी खेली। भारत से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी को 1-1 विकेट मिले।

इससे पहले शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 191 रन बनाए। ईशान किशन ने 32 बॉल पर 61 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 23 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड से एडम मिल्ने ने 4 विकेट लिए।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (स्ष्ठङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा·

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू स्नस् एजुकेशन की ष्ठश्वह्र रह चुकी हैं और स्ढ्ढष्ठ व ह्वष्ठश्वत्रक्क के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात



डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने स्वीकार नहीं किया।



सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था ।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



रहस्यों की पटकथा

युवा महत्वाकांक्षा और सफर सफलता का अगर ताबूत बन जाए, तो हमारी परवरिश में कहीं तो खोट है। हमीरपुर के बहुतकनीकी संस्थान के छात्र दुर्गेश के इर्द-गिर्द रूपांतरित हुआ घटनाक्रम बेचैन करता है और जहां जिद्द के पैमाने बाकायदा लूट लिए गए। रक्षा नवाचार संगठन के फर्जी दस्तावेजों से ड्रोन परियोजना के नाम सर्वेश कुमार को खिलौना बनाने वाले कौन थे। हैरत यह कि 3.5 करोड़ की ग्रांट मंजूर होने की खबरों के बीच ऑनलाइन ठगी का ऐसा घटनाक्रम जुड़ गया, जो प्रकरण को संदिग्ध बनाता है। आश्चर्य यह भी कि छात्र संस्थान की तीसरी मंजिल से गिर जाता है। रहस्य की पटकथा के कई सिरे और कई कंकाल हैं, जो अभिभावकों के मन को अशांत कर सकते हैं। इस प्रकरण की जरूरतें न केवल आपराधिक मामले से ही सामने आएंगी, बल्कि सामाजिक तौर पर भी व्यापक चिंता का सबब हैं। एक दूसरे मामले में कांगड़ा के एक युवक ने फर्जी सैन्य अधिकारी की वर्दी में कफन ओढ़ लिया, तो हमारे सामाजिक आवरण के जख्म सामने आ रहे हैं। आखिर फर्जी अधिकारी बन कर युवा कौन सी मंजिल फतह करना चाह रहा था और जब पकड़ा गया, तो मौत को क्यों गले लगाया। दोनों ही मामलों में अपराध की कितनी ही शाखाएं दिखाई दें, लेकिन कई सवाल अब सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में उठ रहे हैं। पिछले कुछ समय से हिमाचल के युवाओं में ऐसी प्रवृत्तियां घर कर रही हैं, जिनके एक तरफ कुआं है, तो दूसरी तरफ खाई है। आसान कमाई के चक्र में नशे में रोजगार खोज रहे युवा अपने जीवन को मिट्टी में मिलाने के लिए क्यों तैयार हो रहे।आजीविका के साधन खोजने के लिए सरकारी तौर पर नौकरी का मोहजाल फैलाना दरअसल भ्रमित करना साबित हुआ और अपनी व्यथा, काबिलीयत और जीवन के लिए कई युवाओं ने गलत रास्ते चुन लिए। यह हमारे शिक्षण संस्थानों की रूपरेखा में एक कमजोरी की तरह है कि प्रतिस्पर्धा में टिक न पाने की स्थिति में, गलत कदम उठा लेते हैं। जाहिर तौर पर ऐसी घटनाएं कानून व्यवस्था के सामने चुनौती बन कर खड़ी हो रही हैं।

(एक नजर)

देवगुरु बृहस्पति की चाल में बदलाव

ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान, धन, शिक्षा, भाग्य और समृद्धि का कारक माना जाता है. जब भी गुरु की चाल या राशि में बदलाव होता है, तो इसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जीवन पर पड़ने की मान्यता है. अक्टूबर के आखिरी दिन गुरु राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं. इस गोचर से कुछ राशियों के लिए नौकरी, कारोबार और आर्थिक मामलों में नए अवसर बनने की संभावना है. .योतिषीय गणना के अनुसार, मेष, कर्क और धनु राशि के जातकों के लिए यह समय खास रह सकता है. हालांकि, इसका वास्तविक प्रभाव जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति पर भी निर्भर करता है. देवगुरु बृहस्पति ने 31 अक्टूबर 2026 को कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश किया. इसके बाद 13 दिसंबर 2026 को गुरु सिंह राशि में ही वक्री हो जाएंगे. फिर 25 जनवरी 2027 को वक्री अवस्था में वापस कर्क राशि में लौट आएंगे. इस तरह सिंह राशि में गुरु का यह पहला चरण करीब तीन महीने तक रहेगा. वैदिक .योतिष में बृहस्पति को शुभ ग्रह माना जाता है।

विचार

युद्ध की वजह से क्लाइमेट का बुरा हाल

योगेंद्र योगी
लेकख

अनुमान के विपरीत है जिसके अनुसार दुनिया भर की सेनाएं कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 5.5 फीसदी हिस्सा पैदा करती हैं. तेल प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान से संकट और गहरा गया है, क्योंकि इससे जहरीला धुआं, सूक्ष्म कणों वाला प्रदूषण, तेल का रिसाव और मिट्टी, पानी तथा समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का दूषित होना जैसी समस्याएं पैदा हुई हैं.फिर भी, इस युद्ध का एक बहुत ही विरोधाभासी परिणाम सामने आ रहा ह। एक तरफ यह पर्यावरणीय नुकसान को बढ़ा रहा है, तो दूसरी तरफ इसके कारण पैदा हुई ऊर्जा असुरक्षा शायद उस बदलाव (ट्रांजिशन) को तेज कर रही है, जिसे हासिल करने में तीन दशकों की जलवायु कूटनीति भी इतनी तेजी से सफल नहीं हो पाई थी।

ईरान युद्ध के कारण भारी जान-माल का नुकसान हो रहा ह। बुनियादी ढांचा नष्ट हो रहा है और दुनिया का तेजी से घटता कार्बन बजट और भी तेजी से खत्म हो रहा ह। मानवीय संकट के साथ-साथ, यह एक पर्यावरणीय और जलवायु संकट भी बन गया ह। एक शुरुआती आकलन के अनुसार, केवल पहले 14 दिनों में 5 मिलियन टन से अधिक ष्ट्ट2-समतुल्य उत्सर्जन हुआ. इसमें तेल की आग से लगभग 1.88 मिलियन टन, नष्ट हुई इमारतों से 2.4 मिलियन टन, और सैन्य विमानन तथा सहायक अभियानों से 0.53 मिलियन टन उत्सर्जन शामिल है।यह उस अनुमान के विपरीत है जिसके अनुसार दुनिया भर की सेनाएं कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 5.5 फीसदी हिस्सा पैदा करती हैं. तेल प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान से संकट और गहरा गया है, क्योंकि इससे जहरीला धुआं, सूक्ष्म कणों वाला प्रदूषण, तेल का रिसाव और मिट्टी, पानी तथा समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का दूषित होना जैसी समस्याएं पैदा हुई हैं.फिर भी, इस युद्ध का एक बहुत ही विरोधाभासी परिणाम सामने आ रहा ह। एक तरफ यह पर्यावरणीय नुकसान को बढ़ा रहा है, तो दूसरी तरफ इसके कारण पैदा हुई ऊर्जा असुरक्षा शायद उस बदलाव (ट्रांजिशन) को तेज कर रही है, जिसे हासिल करने में तीन दशकों की जलवायु कूटनीति (क्लाइमेट डिप्लोमेसी) भी इतनी तेजी से सफल नहीं हो पाई थी. सरकारों को अब समझ आ रहा है कि जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) पर निर्भर रहना केवल जलवायु के लिए ही नुकसानदेह नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी एक बड़ी कमजोरी ह।इसकी वजह भूगोल में छिपी ह।

ईरान और ओमान के बीच स्थित 21 मील चौड़ी होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से हर दिन लगभग 20 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद गुजरते



हैं. यह वैश्विक पेट्रोलियम खपत का लगभग 20-21 फीसदी समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का 25-27 फीसदी और वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा है, जिसका बड़ा हिस्सा एशिया भेजा जाता ह।28 फरवरी 2026 को तनाव बढ़ने के बाद, टैंकरों की आवाजाही में कथित तौर पर 90-97 फीसदी की गिरावट आई. एक समय तो ऐसा आया जब वहां से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या घटकर शून्य से दो के बीच रह गई, और लगभग 200 टैंकर फारस की खाड़ी में फंस गए. फरवरी में लगभग 69-72 डॉलर प्रति बैरल बिकने वाला ब्रेंट क्रूड, बाद में 110-118 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया.इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इस घटना को आधुनिक तेल बाजार के इतिहास में आपूर्ति में आई अब तक की सबसे बड़ी रुकावट बताया ह।दुनिया होर्मुज जलडमरूमध्य को नजरअंदाज करके आगे भी नहीं बढ़ सकती. सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की संयुक्त पाइपलाइन क्षमता लगभग 7 मिलियन बैरल प्रतिदिन है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले सामान्य प्रवाह का मुश्किल से एक-तिहाई हिस्सा ह। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि 2027 के अंत तक लगभग 600,000 बैरल प्रतिदिन का उत्पादन पूरी तरह से बंद रह सकता ह। इससे जो समस्या अस्थायी लग सकती थी, वह लंबे समय तक चलने वाली आपूर्ति बाधा में बदल सकती ह। लाल सागर की स्थिति ने यह भी दिखा दिया है कि जोखिम केवल एक जलमार्ग तक सीमित नहीं ह। 2026 में एक समय ऐसा आया जब यूरोप को होने वाली ऊर्जा आपूर्ति, संकट से पहले के स्तर की तुलना में गिरकर लगभग 49 फीसदी रह गई थी।

विचार

सरदार पटेल: नये भारत के शिल्पकार और स्वप्नद्रष्टा युगपुरुष

ललित गर्ग
लेखक

ऐसे कठिन समय में यदि किसी एक व्यक्तित्व ने भारत को भौगोलिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया, तो वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल। उनकी 151वीं जयंती पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सरदार पटेल का व्यक्तित्व उस चट्टान की तरह था, जिस पर कठिन से कठिन परिस्थितियों की लहरें टकराकर लौट जाती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी दृढ़ता, संगठन क्षमता और जन नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में विशिष्ट स्थान दिलाया था। खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली आंदोलन ने उन्हें किसानों के संघर्ष का नायक बनाया। बारडोली की महिलाओं द्वारा दिया गया 'सरदार' संबोधन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की राष्ट्रीय पहचान बन गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अदम्य साहस, लौह इच्छाशक्ति, अनुशासन, स्पष्टवादिता, संगठन क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और अटूट राष्ट्रभक्ति का विलक्षण समन्वय था। वे दृढ़ संकल्प के धनी होने के साथ-साथ अत्यंत व्यावहारिक, दूरदर्शी और निर्णय लेने में असाधारण क्षमता रखने वाले राजनेता थे।किसी राष्ट्र का निर्माण केवल स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने से नहीं होता, बल्कि स्वतंत्रता को एकता, अखंडता, सुरक्षा और सामूहिक संकल्प की शक्ति में बदलने से होता है। भारत की स्वतंत्रता के बाद यह सबसे बड़ी चुनौती थी। देश के सामने रियासतों का बिखराव था, विभाजन की पीड़ा थी, सांप्रदायिक तनाव था, सीमाओं पर असुरक्षा थी और नवजात लोकतंत्र के सामने अनेक राजनीतिक एवं प्रशासनिक संकट थे। ऐसे कठिन समय में यदि किसी एक व्यक्तित्व ने भारत को भौगोलिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया, तो वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल। उनकी 151वीं जयंती पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सरदार पटेल का व्यक्तित्व उस चट्टान की तरह था, जिस पर कठिन से कठिन परिस्थितियों की लहरें टकराकर लौट जाती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी दृढ़ता, संगठन क्षमता और जन नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में विशिष्ट स्थान दिलाया था। खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली आंदोलन ने उन्हें किसानों के संघर्ष का नायक बनाया। बारडोली की महिलाओं द्वारा दिया गया 'सरदार' संबोधन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की राष्ट्रीय पहचान बन गया। लेकिन उनकी वास्तविक ऐतिहासिक भूमिका स्वतंत्रता के बाद सामने आई, जब भारत को एक राष्ट्र के रूप में संगठित करना सबसे बड़ी आवश्यकता थी।उस समय देश में 562 से अधिक रियासतें थीं। अनेक रियासतों के शासक स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने अथवा भारत से अलग रहने की आकांक्षा रखते थे। ऐसी स्थिति में भारत का राजनीतिक मानचित्र खंडित हो सकता था। सरदार पटेल ने अपनी राजनीतिक दृढ़ता, असाधारण कूटनीति और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से इस चुनौती का समाधान किया। उन्होंने जहां आवश्यकता हुई वहां संवाद का सहारा लिया, जहां जरूरी हुआ वहां दृढ़ता दिखाई और जहां राष्ट्रीय हित सर्वोपरि था वहां किसी



दबाव के सामने झुकने से इनकार कर दिया। हैदराबाद का भारत में विलय इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। यह केवल रियासतों का विलय नहीं था, बल्कि एक आधुनिक राष्ट्र की आधारशिला रखने वाला ऐतिहासिक अभियान था। पटेल की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, राष्ट्र निर्माण का दायित्व मानते थे। उनके लिए राष्ट्रीय हित किसी दल, विचारधारा, क्षेत्र अथवा समुदाय से ऊपर था। वे जानते थे कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल भावनात्मक नारों से नहीं हो सकती। इसके लिए मजबूत प्रशासन, अनुशासित शासन, स्पष्ट विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा की ठोस व्यवस्था आवश्यक है। पाकिस्तान की नीतियों, कश्मीर के प्रश्न और सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर उनकी चिंताएं इसी राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टि का प्रमाण थीं। चीन की तिब्बत संबंधी नीति को लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 7 नवंबर 1950 को लिखे पत्र में जिस प्रकार आगाह किया था, वह उनकी सामरिक दूरदृष्टि का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सद्भावना के साथ-साथ सतर्कता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा को भी अनिवार्य माना।

सरदार पटेल की दूरदर्शिता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का निर्माण था। स्वतंत्रता के बाद अनेक लोग अंग्रेजों की बनाई प्रशासनिक सेवाओं को समाप्त करने के पक्ष में थे, लेकिन पटेल ने इनके महत्व को समझा। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत आधार प्रदान किया। उनका मानना था कि देश की एकता और प्रशासनिक स्थिरता के लिए ऐसी संस्थाएं जरूरी हैं, जो राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती रहें। उन्होंने अधिकारियों में यह विश्वास पैदा किया कि अब उनकी निष्ठा किसी विदेशी शासन के प्रति नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत और उसके नागरिकों के प्रति होनी चाहिए। इसीलिए उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाओं का संरक्षक भी कहा जाता है। उनकी राजनीतिक दृष्टि में दृढ़ता थी, लेकिन वह हठधर्मिता नहीं थी। वे जानते थे कि राष्ट्र केवल कानून और प्रशासन से नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और नागरिक उत्तरदायित्व से भी मजबूत होता है। वे राष्ट्रीय एकता को विविधताओं के निषेध के रूप में नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच साझा राष्ट्रीय चेतना के विकास के रूप में देखते थे। भारत की भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और आस्थाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन राष्ट्र के प्रति निष्ठा और संविधान के प्रति सम्मान सबको एक सूत्र में बांधते हैं। आज जब समाज में वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय आग्रह, जातीय विभाजन और राजनीतिक कटुता की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, तब पटेल का यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।आज जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्वशक्ति के रूप

विचार

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख: क्या अब सुधरेंगे फॉड पीड़ितों के हालात?

- अशोक भाटिया
लेखक

इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं।भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फॉड और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी



उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित केवाईसी गाइडलाइंस में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दर्शाता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है।इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। डिजिटल अरेस्ट जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सचाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कोई अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पीड़ित की सादगी नहीं, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता होती है। अदालत ने इसी बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुराने पैटर्न से अलग कोई असामान्य ट्रांजैक्शन या संदिग्ध लेनदेन होता है, तो बैंक को उस पर तुरंत अस्थाई रोक लगानी होगी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तैदी से लागू होता, तो आज आठ सौ करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोका जा सकता था।

इस पूरे संगठित अपराध की रीढ़ की हड्डी म्यूल अकाउंट्स यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत या फिर बैंकों के ढीले रवैये के, हजारों की संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर खाते खोलना और उनमें करोड़ों का लेन-देन होना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इन फर्जी खातों के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए साफ किया है कि बैंकों को अपने ग्राहक को जानो की प्रक्रिया को केवल एक कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनाना होगा। अब तक बैंक इन फर्जी खातों के जरिए होने वाले अपराधों से खुद को अलग कर लेते थे ।



माउस की कहानी

डगलस एंजेलबर्ट ने 1960 में जब कंप्यूटर माउस का आविष्कार किया था, तब उन्होंने उसे लकड़ी से बनाया था। एंजेलबर्ट का पिछले दिनों निधन हो गया, लेकिन, अब तक के सफर में माउस ने तमाम पड़ाव पार कर लिए हैं। यह अब वायरलेस भी हो गया है। आइए जानें कंप्यूटर माउस के कुछ दिलचस्प तथ्य..

-जिस समय 1960 में एंजेलबर्ट ने माउस का अविष्कार किया था, उस समय बड़े-बड़े कमरों के बराबर कंप्यूटर होते थे, इन मशीनों में पंच कार्ड द्वारा डाटा भरे जाते थे।

-1963 में बिल इंग्लिश ने डगलस के स्केचेज के आधार पर लकड़ी का माउस बनाया, जिसे चलाने के लिए दो पहियों का इस्तेमाल किया। डगलस ने 1968 में सैन फ्रांसिसको के कंप्यूटर कॉन्फ्रेंस में माउस का पहला डिमॉन्स्ट्रेशन दिया।

-जैक हॉली और बिल इंग्लिश डगलस के इस काम से बहुत प्रभावित थे। उन्होंने उसी के आधार पर पहला डिजिटल माउस 1972 में जीरॉक्स पार्क डिजाइन किया। इस माउस में एनलॉग से डिजिटल में कन्वर्ट करने की जरूरत नहीं होती थी, यह सीधे इन्फॉर्मेशन कंप्यूटर को भेजता था। इसी माउस में पहली बार मेटल की माउस बॉल लगाई गई।

-1970 में डगलस एंजेलबर्ट ने माउस का पेटेंट कराया था, उनके नाम माउस के अलावा 45 और आविष्कारों का पेटेंट है।

-शुरुआत में माउस को बग नाम से जाना जाता था, लेकिन इसे माउस इसलिए कहा गया, क्योंकि स्टैंफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में विकसित किए गए माउस का आकार बिल्कुल चूहे की तरह था।

-डगलस के प्रदर्शन के करीब बीस साल बाद 1981 में माउस इस्तेमाल के लिए बाजार में आया, जिसमें बॉल और दो बटन होते थे। जेरोक्स स्टार 8010 पर्सनल कंप्यूटर के साथ इसे बेचा गया। उस समय इस कंप्यूटर की कीमत थी 16000 डॉलर।

-माउस की बॉल का अविष्कार बिल इंग्लिश ने 1970 में किया था।

-माइक्रोसॉफ्ट ने पहली बार 1983 में माउस की बिक्री शुरू की।

-1991 में लॉजिटेक ने दुनिया का पहला वायरलेस माउस पेश किया, जिसमें रेडियो फ्रीक्वेंसी ट्रांसमिशन का इस्तेमाल किया गया।

- 2004 में लॉजिटेक कंपनी ने पहला लेजर माउस बाजार में उतारा था। इस माउस की स्पीड ऑप्टिकल माउस से 20 गुना ज्यादा थी।

-माउस की स्पीड को मिकी यूनिट में गिना जाता है। एक मिकी एक इंच का 200वां हिस्सा होता है।

-इसे इंग्लिश, स्पेनिश, इटालियन, जर्मन, फ्रेंच और रूसी सहित अनेक भाषाओं में माउस के नाम से ही जाना जाता है।

कौन थे डगलस एंजेलबर्ट

डगलस एंजेलबर्ट (डग) सिर्फ माउस के ही जन्मदाता नहीं, बल्कि ई-मेल, वर्ड प्रोसेसिंग और टेलिकॉन्फ्रेंसिंग पर भी शुरुआती काम किया था। उनका जन्म 30 जनवरी 1925 को ओरेगन के पास पोर्टलैंड में हुआ था। उनके पिता रेडियो मैकैनिक और मां गृहिणी थीं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद दूसरे विश्वयुद्ध में राडार टेक्नीशियन के रूप में काम किया। इसके बाद वे नासा की संस्था नाका में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के पद पर काम करने लगे। जल्द ही वह नौकरी छोड़कर डॉक्टरेट की उपाधि के लिए बर्कले स्थित कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय चले गए। बाद में उन्होंने ऑग्मेंटेशन शोध केन्द्र के नाम से अपनी प्रयोगशाला स्थापित की। उनकी प्रयोगशाला ने एआरपीएनेट के विकास में सहयोग किया, जिसने आगे चलकर इंटरनेट का रूप लिया। उन्हें 1997 में लेमेलसन-एमआईटी पुरस्कार मिला और साल 2000 में पर्सनल कम्प्यूटिंग की बुनियाद तैयार करने के लिए नेशनल मेडल फॉर टेक्नालॉजी से नवाजा गया।

खतरा भांपते ही भौंकती है प्रेयरी गिलहरी

बच्चों यदि आपसे पूछा जाए कि किसी ऐसे जानवर का नाम बताओ जो भौंकता है ?.. बहुत आसान सवाल है तुरंत ही आप जवाब दे देंगे- उस जानवर का नाम है कुत्ता। बिल्कुल ठीक कहा आपने कुत्ता भौंकता है, किन्तु क्या आप एक और ऐसे जानवर का नाम बता पाएंगे जो भौंकता है.. शायद नहीं। पर, क्या आपको पता है कि कुछ अन्य जानवर भी विशेष परिस्थितियों में भौंकते हुए पाए गए हैं। उत्तरी अमेरिका के प्रेयरी मैदानों में ऐसी गिलहरियां पाई जाती हैं जो खतरे का अंदेशा होते ही कुत्ते की तरह भौंकती हैं। कुत्ते के जैसी आवाज के कारण शुरूआत में इनकी पहचान प्रेयरी डॉग से की गई थी किन्तु बाद में पता चला ये यहां पाई जाने वाली गिलहरियां हैं जो कॉलोनी बनाकर रहती हैं। प्रेयरी गिलहरी यूं ही शौकिया नहीं भौंकती जब यह आसपास किसी खतरे को महसूस करती है तो भौंककर अपने साथियों को उसके लिए सतर्क करती है। जब कोई गिलहरी अचानक भौंकना शुरू करती है तो आसपास रह रही अन्य गिलहरियां अपने घरों में जा छिपती हैं। प्रेयरी गिलहरियां अपनी आवाज की पिच को ऊंचा-नीचा करके खतरे के प्रकार का संकेत भी दे देती हैं। खतरे के सिर पर मंडराने की अवस्था में ये बहुत तेज आवाज निकालती हैं जो बिल्कुल कुत्ते के भोंकने के जैसी होती है। खतरे के आसपास होने पर ये धीमी आवाज निकालती हैं और खतरे के टल जाने पर भी ये एक अलग तरह की आवाज करती देखी गई हैं। खतरा होने पर ये अपनी पूंछ को तेजी से पटकती हैं तथा पैरों के पंजों को थपथपाती हैं।

प्रेयरी गिलहरी को इसके वैज्ञानिक नाम स्क्यूरस ग्रीसियस से पहचाना जाता है। इसकी जंगली हरकतें देखते हुए इसे जंगली गिलहरी भी कहा जाता है। वैसे तो ये गिलहरियां बहुत कुछ सामान्य गिलहरियों की ही तरह होती हैं किन्तु इनकी पूंछ सामान्य गिलहरी की अपेक्षा लम्बाई में कुछ छोटी तथा झबरीली होती है जिसका अन्तिम सिरा काला होता है इसलिए इन्हें काली पूंछ वाली गिलहरी भी कहते हैं। ये गिलहरियां 18 से 24 इच तक लंबी होती हैं और इनका वजन 350 से 950 ग्राम तक होता है।

प्रेयरी गिलहरी एक सामाजिक प्राणी है जो कॉलोनी में रहना पसंद करती है। एक बड़ी कॉलोनी में बने इसके घर को कोटरी के नाम से जाना जाता है। कोटरी के अंदर ही यह अपना घौंसला भी बनाती है। यह पेड़ों और जमीन पर समान रूप से रह पाती है। इसका प्रिय भोजन घास-फूस तथा वनस्पतियां हैं इसके अतिरिक्त यह बीज तथा फल-फूल भी खाती है। यह कई बीजों के कठोरतम आवरण को अपने कृन्तक दांतों से तोड़ कर निकाल पाती है। पेड़-पौधों से बीजों को इकट्ठा करते समय कुछ बीज खेतों में यहां वहां बिखेरने से प्लांटेशन में मदद मिलती है। मार्च से मई माह इसका प्रजनन काल होता है, यह साल में एक बार ही प्रजनन करती है, 43 दिनों तक बच्चे गर्भ में पलते हैं। यह एक बार में तीन से पांच बच्चों को जन्म देती है। जन्म के समय इसके बच्चों की आंखें व कान बंद होते हैं जो एक माह का होने पर खुलते हैं। 10 सप्ताह तक बच्चे बड़े हो जाते हैं और अपनी मां के साथ भोजन की तलाश में बाहर जाना शुरू कर देते हैं। प्रेयरी गिलहरी एक जगह ही रहना पसंद करती है किन्तु बहुत अधिक ठंड पड़ने पर बहुत कम समय के लिए गर्म स्थानों की ओर प्रवास पर जाती है। परभक्षी जानवरों से तो इसको खतरा रहता है किन्तु खेती चट कर जाने के डर से तथा इसके स्वादिष्ट मांस के कारण यह मनुष्यों द्वारा भी शिकार होती रही है जिसके कारण इसकी संख्या बहुत कम रह गई है, जरूरत है इसके संरक्षण की ताकि इस प्रजाति को विलुप्त होने से बचाया जा सके।



मानवीय क्षमता से परे सुनने की ताकत दे सकते हैं झींगुर



झींगुरों में पाए गए एक नए सुनने वाले अंग में मानवीय श्रव्य क्षमता से परे की आवाजें सुनने के गुण पाए गए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि दक्षिणी अमेरिका के झींगुरों में पाया गया यह श्रवण अंग जैव-प्रेरित श्रव्य सेंसरों के लिए नए आयाम खोल सकता है। इन सेंसरों में मेडिकल इमेजिंग और श्रव्य मदद के विकास में भी मदद मिल सकती है। ब्रिस्टल विश्वविद्यालय और लिंकन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस श्रवण अंग की क्षमता की खोज झींगुर के गैर पारंपरिक कानों में ऊर्जा रूपांतरण का अध्ययन करते हुए की। इस अध्ययन में पाया गया कि झींगुर के कान ठीक उसी तरह काम करते हैं जैसे कि अन्य स्तनधारियों के करते हैं। शोधकर्ता डॉक्टर फेरनेंडो मोंटिलेग्रे जेड ने कहा, ''हमने एक ऐसी नई संरचना की खोज की है जो इन कीटों में सुनने का मुख्य जरिया है। इसे पिछले अध्ययन में शामिल नहीं किया गया था। यह अंग द्रव्य से भरे एक फफोले की तरह है।'' उन्होंने कहा कि यह श्रवण अंग श्रव्य उर्जा को यांत्रिक, जलीय और विद्युत रासायनिक ऊर्जा में बदलने वाले मध्य कारक का काम करता है।



नकचढ़ी, खूबसूरत और रंग-बिरंगी होती है पैराडाइज चिड़िया

दुनिया में चिड़ियों की हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं। इन्हीं में से एक खूबसूरत प्रजाति है बर्डस ऑफ पैराडाइज। यह प्रजाति पृथ्वी पर 2 करोड़ 40 लाख साल पुरानी है। इन्हें इनके रंगों के लिए जाना जाता है। देखने में ये इतनी सुंदर होती हैं कि तुम इनसे नजर नहीं हटा पाओगे। देखने में छोटी सी रंग-बिरंगी ये चिड़िया पैराडाइसेडी परिवार से ताल्लुक रखती है और खासतौर से पापुआ न्यू गिनी, मोलक्कस और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में पाई जाती है। यह खुश रहने वाली चिड़िया थोड़ी नकचड़ी भी होती है। बिल्कुल तुम्हारी तरह है ये। जब तुम्हारी मम्मी मनपसंद नाश्ता नहीं बनाती हैं तो तुम भी तो गुस्सा हो जाते हो, उसी तरह जब पैराडाइज को भी उसका पसंदीदा भोजन नहीं मिलता तो ये गुस्से में खाना नहीं खाती है। इन चिड़ियों की पहचान इनके रंग-बिरंगे पंखों से होती है। पीली, नीली, हरी, लाल धारियों वाली चिड़िया अगर दिखे तो समझ जाना कि ये पैराडाइज ही है। कहा जाता है कि इन चिड़ियों के रंग पिछले दो हजार सालों से ऐसे ही हैं और इनके रंग-रूप में इतने सालों में भी कोई बदलाव नहीं आया है। इस प्रजाति में पाए जाने वाले नर चिड़ियों के पंखों को स्ट्रीमर्स कहा जाता है, क्योंकि इनके पंख सख्त और रूखे होते हैं। जब ये चिड़ियां खुश होती हैं तो नाचती-गाती हैं और अपनी आवाजों से बहुत सारी चिड़ियों को इकट्ठा कर लेती हैं। इनकी खूबसूरती के कारण ही दक्षिणी अफ्रीका के 'बनाना परिवार' से ताल्लुक रखने वाले रंग-बिरंगे फूल का नाम भी बर्ड ऑफ पैराडाइज रखा गया है।

कहां सबसे ज्यादा पैराडाइज

पता है, मलुक्का इंडोनेशिया में स्थित अरू महाद्वीप पर बर्ड ऑफ पैराडाइज की 39 अलग-अलग प्रकार की प्रजातियां पाई जाती हैं। मशहूर पक्षी वैज्ञानिक डॉ. टिम लेमन दुनिया के पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने सभी प्रजातियों की पैराडाइज की तस्वीरें ली हैं। कुछ तस्वीरें तो इतनी दुर्लभ हैं कि लोग उन्हें महंगे दामों पर भी खरीदने को तैयार रहते हैं।

अजब-गजब घड़ियां!

घड़ी हमें टाइम बताती है। सोचो, अगर तुम्हारे घर में घड़ी ही न हो तो तुम क्या करोगे? कैसे पता चलेगा कि टाइम क्या हुआ है। पर क्या तुम जानते हो कि घड़ी सिर्फ टाइम बताने के ही काम नहीं आती, बल्कि लोरी गाने से लेकर झूठ पकड़ने का काम भी करती है। कैसे? चलो जानते हैं ...

आठ डायल वाली घड़ी

घड़ियां कई तरह की होती हैं। दीवार पर टांगने वाली, हाथ में बंधने वाली, अलार्म क्लॉक और शो बढ़ाती घड़ियां। ये सभी समय बताती हैं। इनमें मिनट और सेकेंड की सुई भी होती है। एक छोटी सुई और एक बड़ी। लेकिन दुनिया में एक ऐसी घड़ी है, जो चारों ओर से दिखाई देती है। यह घड़ी अमेरिका में है। इस घड़ी में एक-दो नहीं बल्कि चार डायल हैं। अमेरिका में एलेन ब्रेडली कंपनी की इमारत पर यह घड़ी लगी हुई है। इस घड़ी के हर डायल का व्यास 12.28 मीटर है। इस घड़ी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस में भी शामिल किया गया है। इसे अक्टूबर 1962 में लगाया गया था।

छोटी घड़ियां

स्विट्जरलैंड की कंपनी है जैगर। इस कंपनी को छोटी से छोटी घड़ियां बनाने के लिए जाना जाता रहा है। कंपनी ने अब तक ऐसी कई घड़ियां बनाई हैं, जिनकी लंबाई लगभग 1.2 सेंटीमीटर, चौड़ाई 0.476 सेंटीमीटर और कुल वजन 6 ग्राम से भी कम है।

ब्लड प्रेशर बताती घड़ी

जापान में ऐसी घड़ी बनाई गई है, जिसे पहन कर कभी भी ब्लड प्रेशर देखा जा सकेगा। इसके लिए घड़ी पहनने वाले व्यक्ति को केवल डायल पर एक निर्धारित स्थान पर अपनी उंगलियां रखनी होंगी, घड़ी तुरंत ही ब्लड प्रेशर बताने लगेगी।

जनसंख्या बताने वाली घड़ी

घड़ी केवल समय ही नहीं बताती, यह भी बताती है कि हर पल जनसंख्या की स्थिति क्या है। जनसंख्या बताने वाली घड़ी अमेरिका के शिकागो में साइंस एंड इंडस्ट्रीज के संग्रहालय में लगी है। विश्व जनसंख्या का प्रतिदिन का हिसाब यही घड़ी रखती है।

गाने वाली घड़ी

ब्रिटेन के क्लॉक टॉवर की घड़ी है बिगबेन। यह भी चारों ओर से देखी जा सकती है और यह गाती भी है। हर एक घंटे के बाद यह घड़ी गाती है। इस घड़ी में आयरन फ्रेम लगे हैं। यह घड़ी लंदन शहर का प्रतीक मानी जाती है।

न्यूज इन शॉर्ट

छत्तीसगढ़ में मजदूरी संहिता लागू, श्रमिकों के वेतन एवं भुगतान व्यवस्था को मिलेगा नया कानूनी आधार

रायपुर ।छत्तीसगढ़ में मजदूरी से संबंधित नई कानूनी व्यवस्था लागू हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने मजदूरी संहिता, 2019 के अंतर्गत मजदूरी संहिता (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 की अंतिम अधिसूचना 28 अक्टूबर 2026 को राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित कर दी है। राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही ये नियम प्रभावी हो गए हैं। नई नियमावली के माध्यम से राज्य में न्यूनतम वेतन एवं वेतन भुगतान से संबंधित व्यवस्थाओं को नए कानूनी ढांचे के अंतर्गत व्यवस्थित किया गया है। इसके साथ ही न्यूनतम वेतन (छत्तीसगढ़) नियम, 1958 तथा छत्तीसगढ़ वेतन भुगतान नियम, 1962 को प्रतिस्थापित किया गया है। उल्लेखनीय है कि श्रम विभाग ने इन नियमों का प्रारूप 13 अप्रैल 2026 को राजपत्र में प्रकाशित कर आम नागरिकों, श्रमिक संगठनों, नियोक्ताओं एवं संबंधित हितधारकों से 45 दिनों के भीतर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए थे। प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम अधिसूचित किए गए हैं ।नई मजदूरी संहिता के अंतर्गत वेतन निर्धारण, न्यूनतम मजदूरी, वेतन भुगतान, बोनस तथा श्रमिकों से संबंधित अन्य वैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर नियम निर्धारित किए गए हैं ।इस नई व्यवस्था से राज्य में श्रमिकों के वेतन संबंधी अधिकारों के संरक्षण तथा नियोक्ताओं की वैधानिक जिम्मेदारियों के अनुपालन को एक व्यवस्थित कानूनी आधार मिलेगा। नई मजदूरी संहिता का क्रियान्वयन श्रमिकों के वेतन अधिकारों का संरक्षण और पारदर्शी श्रम व्यवस्था की ओर महत्वपूर्ण कदम है।

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना-2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं ।पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। । सुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना

धमतरी। छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना-2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। मीडियाकर्मी योजना के प्रारूप और इसकेसुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।

कांकेर में सुरक्षाबलों को सफलता, नक्सलियों का बड़ा डंप बरामद

कांकेर। कांकेर में सर्चिंग पर निकले सुरक्षाबलों के जवानों ने नक्सल डंप बरामद किया है। उत्तर बस्तर के माचपल्ली के जंगलों में पुलिस औरकी संयुक्त टीम को हथियार, भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य नक्सल सामग्री मिली है। और विस्फोटकों को की टीम ने मौके पर ही नष्ट कर दिया ।मामला छोटेबेठिया थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह पुलिस और ब्रस्स्त्र की संयुक्त टीम छोटेबेठिया के जुराहान मेहड़ा और माचपल्ली के जंगलों में सर्चिंग पर निकली थी। इस दौरान जवानों ने नक्सल डंप से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की ।कांकेर पुलिस, की संयुक्त टीम ने डंप से 2 भरमार बंदूक, करीब 2 किलो का 1 पैकेट1 वायरलेस सेट, 4 पाउच,पटाखे, 1 फोटो कार्ट्रिज, दवाइयां, नक्सल साहित्य और अन्य सामग्री बरामद की ।बरामद ह्वश्वष्ठ और अन्य विस्फोटक पदार्थों टीम ने मौके पर ही नष्ट कर दिया।

राज्य की कला, संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता, खेल, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं का होगा सम्मान

विभूतियों को मिलेगा प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण सम्मान, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने की घोषणा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव 2026 में प्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता, खेल, समाजसेवा, शिक्षा, कृषि, लोककला और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज राजधानी रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्य अलंकरण पुरस्कारों की घोषणा की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं और संस्थाओं के लिए 36 श्रेणियों में राज्य अलंकरण सम्मान घोषित किए गए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य अलंकरण सम्मान छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं, उनकी विशिष्ट



उपलब्धियों तथा समाज और राज्य के विकास में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति, साहित्य, लोकपरंपराओं और सामाजिक मूल्यों को सहेजने तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह सम्मान महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककलाओं, साहित्यिक परंपराओं और प्रतिभाशाली नागरिकों से है। राज्य अलंकरण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के योगदान को सम्मानित किया जाता है। ऐसे सम्मान नई पीढ़ी को अपनी प्रतिभा निखारने और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा देते हैं।

आदिवासी उत्थान, सामाजिक चेतना और जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान

राज्य अलंकरण की घोषित सूची के अनुसार आदिवासी सामाजिक चेतना तथा उनके उत्थान के क्षेत्र में शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति सम्मान से धमतरी जिले के श्री डुमन लाल ध्रुव को सम्मानित किया जाएगा। अहिंसा एवं गौरक्षा के क्षेत्र में यति यतनलाल सम्मान दुर्ग जिले के विश्व गीता धेनू गोविन्द पक्षी सेवा धाम, कुम्हारी जिला दुर्ग को प्रदान किया जाएगा ।महिला उत्थान एवं जनजागृति के लिए मिनीमाता सम्मान (महिला उत्थान) गरियाबंद की लोक आस्था सेवा संस्थान (सुश्री लता नेताम) को दिया जाएगा।

आधार ऑपरेटर के कार्य की सराहना

दिव्यांग मदन नागेश के घर पहुंचकर किया गया उनका आधार पंजीयन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

देवभोग विकासखण्ड के अमलीपदर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुड़ागांव निवासी दिव्यांग युवक मदन नागेश का आधार पंजीयन की प्रक्रिया 3 से 4 घंटे में सफलतापूर्वक कर लिया गया है। मदन के शारीरिक दिव्यांगता के कारण उन्हें आधार कार्ड बनवाने में काफी परेशानी हो रही थी। हाथों की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण सामान्य तरीके से उंगलियों के निशान लेकर आधार पंजीयन करना संभव नहीं हो पा रहा था। इस समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके घर पहुंचकर आधार पंजीयन कराने की व्यवस्था की।

ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री मिथलेश देवांगन ने बताया कि मदन नागेश की शारीरिक स्थिति को देखते हुए आधार ऑपरेटर को उनके घर जाकर पंजीयन करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद आधार ऑपरेटर श्री वेदप्रकाश सिन्हा ने ग्राम



मुड़ागांव पहुंचकर आधार पंजीयन की प्रक्रिया शुरू की। हितग्राही की शारीरिक स्थिति के कारण इस प्रक्रिया में काफी समय लगा। लगभग 3 से 4 घंटे तक लगातार प्रयास करने के बाद आधार पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जा सकी। आधार ऑपरेटर श्री सिन्हा ने धैर्य और मेहनत के साथ अपना कार्य पूरा किया, जिससे उनका आधार एनरोलमेंट सफलतापूर्वक हो पाया। मदन नागेश और उनके परिवार के लिए आधार पंजीयन होना बड़ी राहत की बात है। आधार कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही थी। अब आधार पंजीयन पूरा होने से उन्हें पात्रता के अनुसार शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया में आसानी होगी। हितग्राही एवं उनके परिजनों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया गया और घर पहुंचकर आधार पंजीयन की व्यवस्था की गई। जिला प्रशासन द्वारा जरूरतमंद और दिव्यांग हितग्राहियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राज्यगीत का हुआ सामूहिक गायन

छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर मनाया राज्य स्थापना दिवस

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला कार्यालय परिसर में राज्य स्थापना दिवस गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिला कार्यालय परिसर में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने छत्तीसगढ़ की अस्मिता, गौरव और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक राज्यगीत 'अरपा पैरी के धार' का सामूहिक गायन किया।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति श्रद्धा और सम्मान के साथ प्रदेश की गौरवशाली विरासत, समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और विकास यात्रा का स्मरण किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ की माटी, लोकजीवन, सांस्कृतिक विविधता और यहां के मेहनतकश लोगों के योगदान को भी याद किया गया।

भावना का सुंदर प्रतीक बना

समारोह का विशेष आकर्षण एक नन्ही बालिका रही, जो छत्तीसगढ़ महतारी की पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर कार्यक्रम में शामिल हुई। बालिका को छत्तीसगढ़ महतारी के स्वरूप में देखकर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के चेहरे पर विशेष प्रसन्नता झलक उठी। सभी ने आत्मीयता के साथ उसका अभिनंदन किया और उसके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। बालिका की मनमोहक उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आकर्षण और भावनात्मक गरिमा प्रदान की। यह दृश्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और नई पीढ़ी में अपनी माटी एवं परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना का सुंदर प्रतीक बना। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिलेवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

महासमुंद : महासमुंद में राज्योत्सव 2 नवंबर को

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी होंगी मुख्य अतिथि, मिनी स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय आयोजन

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में 2 नवंबर 2026 को राज्योत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में शाम 4 बजे से आयोजित होने वाले राज्योत्सव की मुख्य अतिथि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी होंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, खल्लारी विधायक श्रीमती द्वारिकाधीश यादव एवं सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद उपस्थित रहेंगी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा किशनलाल पटेल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्री चंद्रहास चंद्राकर, शाकंभरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र नायक, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री रामलाल चौहान, जनपद पंचायत महासमुंद के अध्यक्ष श्रीमती दिशा रामस्वरूप दीवान, नगरपालिका परिषद महासमुंद के अध्यक्ष श्री निखिल मनोजकांत साहू, जनपद पंचायत बागबाहरा के अध्यक्ष श्री केशव नायकराम चंद्राकर, नगरपालिका परिषद बागबाहरा की अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी बघेल, जनपद पंचायत पिथौरा की अध्यक्ष श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे, नगरपालिका परिषद सरायपाली की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती चंद्र (मिली) पटेल, जनपद पंचायत बसना की अध्यक्ष श्रीमती डिलेश्वरी मिलाप निराला, नगर पंचायत तुमगांव के अध्यक्ष श्री बलराम कांत साहू, जनपद पंचायत सरायपाली की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी हरिशचंद्र पटेल, नगर पंचायत पिथौरा के अध्यक्ष श्री देवेश निषाद, राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड छत्तीसगढ़ श्री इन्द्रजीत सिंह खालसा गोल्डी, नगर पंचायत बसना के अध्यक्ष डॉ. खुशबू अभिषेक अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया तथा स्काउट एवं गाइड संघ के जिला अध्यक्ष श्री येतराम साहू उपस्थित रहेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा राज्योत्सव के सफल आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं आमजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से राज्योत्सव समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

महासमुंद में राज्योत्सव की रहेगी सांस्कृतिक धूम, रंग सरोवर और म्यूजिकल बैंड की प्रस्तुति बनेगी खास आकर्षण



2 नवंबर को मिनी स्टेडियम में शाम 4 बजे से होगा भव्य आयोजन, स्कूली बच्चों और स्थानीय कलाकारों को मिलेगा मंच

16 विभागों के स्टॉल में दिखेगी शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की झलक

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर महासमुंद जिले में 2 नवंबर को राज्योत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में शाम 4 बजे से शुरू होने वाले इस समारोह में सांस्कृतिक रंगों, लोककला, संगीत और मनोरंजन की शानदार छटा देखने को मिलेगी। समारोह में स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं भूपेंद्र साहू कृत 'रंग सरोवर' की विशेष प्रस्तुति और म्यूजिकल बैंड की संगीतमय प्रस्तुति कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण होंगे।राज्योत्सव के माध्यम से जहां छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और कला का प्रदर्शन होगा, वहीं स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला और हुनर दिखाने का अवसर भी मिलेगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए दर्शकों को मनोरंजन के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

- सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी होंगी मुख्य अतिथि
- राज्योत्सव समारोह की मुख्य अतिथि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, खल्लारी विधायक श्रीमती द्वारिकाधीश यादव एवं सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद उपस्थित रहेंगी।
- 16 विभागों के स्टॉल में दिखेगी शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की झलक
- राज्योत्सव स्थल पर 16 प्रमुख विभागों द्वारा विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें कृषि, उद्यानिकी, जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन विभाग और जनसंपर्क सहित अन्य महत्वपूर्ण विभाग शामिल होंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों और हितग्राहीमूलक कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणाली को महत्वपूर्ण माना जा रहा है

छत्तीसगढ़ में बिजली का नया दौर, बैटरी में स्टोर होगी सौर ऊर्जा, रात में भी मिलेगी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

देश में सौर और पवन ऊर्जा के तेजी से बढ़ते उत्पादन के बीच बिजली को सुरक्षित रखने और जरूरत के समय उपयोग करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की राष्ट्रीय विद्युत योजना के तहत वर्ष 2030 तक देश में 208 गीगावाट घंटे (ब्रह्वद्ध) क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य दिन में उत्पादित होने वाली अतिरिक्त हरित बिजली को बैटरियों में संग्रहित कर रात के समय या बिजली की अधिक मांग होने पर उसका इस्तेमाल करना है। इस पहल में छत्तीसगढ़ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां राजनांदगांव जिले में 120 मेगावाट घंटे क्षमता की बैटरी स्टोरेज परियोजना संचालित होने की जानकारी दी गई है। बिजली भंडारण की नई तकनीक



से सौर और पवन ऊर्जा की उपयोगिता बढ़ने के साथ बिजली आपूर्ति व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणाली को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

2030 तक 208 गीगावाट घंटे बैटरी स्टोरेज का लक्ष्य

केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एक मेगावाट घंटे से अधिक क्षमता वाली कुल 798 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इसके अलावा 35.8 गीगावाट घंटे क्षमता की परियोजनाएं निर्माणाधीन बताई गई हैं। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की मदद से दिन में सौर ऊर्जा संयंत्रों से बनने वाली अतिरिक्त बिजली को संग्रहित किया जा सकता है। जब रात में सौर उत्पादन बंद हो जाता है या मौसम के कारण पवन और सौर ऊर्जा का उत्पादन कम होता है, तब संग्रहित बिजली का उपयोग किया जा सकता है। इस तकनीक से बिजली की अधिकतम मांग के दौरान ग्रिड पर दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है। इसके साथ ही फ्रीक्वेंसी रेगुलेशन, वोल्टेज नियंत्रण और ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने में ऊर्जा भंडारण प्रणालियां उपयोगी साबित हो सकती हैं ।छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में 120 मेगावाट घंटे क्षमता की बैटरी स्टोरेज परियोजना संचालित होने की जानकारी दी गई है। यह परियोजना प्रदेश में नई ऊर्जा तकनीक के उपयोग का उदाहरण है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल